

देशबन्धु

वर्ष - 8 | अंक-255 | सागर, शनिवार, 4 नवम्बर 2023 | पृष्ठ -8 | मूल्य - 3.00 रुपए



NEW Super Splendor
125cc

एक्सचेंज बोनस **₹2100*** | डाउन पेमेंट **मात्र ₹0*** | कम ब्याज दर @ **6.50%***

प्रोमोशनल की एडवांस ई एम आई डेबिट/क्रेडिट कार्ड

NEW LOOKS TO CELEBRATE YOUR SUCCESS.

सागर: सेन्द्रल हीरो (भगवानगंज, मक्रोनिया) 9289922376



रीवा जिले की चुनावी सभाओं में नड्डा ने चुनावी सभाओं में साधा निशाना, कहा-

कांग्रेस ने लड़ने और घोटालों के सिवाय कुछ नहीं किया

रीवा/भोपाल, देशबन्धु। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि जहां भी कांग्रेस की सरकारें रही हैं, उन्होंने आपस में लड़ने, बहानेबाजी करने और घोटालों के सिवाय कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि जो कमलनाथ 15 महीनों की सरकार में मुख्यमंत्री रहे, उनके रिश्तेदारों के करोड़ों रुपए के घोटाले पकड़े गए या नहीं? उनके ओएसडी के घर से करोड़ों रुपये बरामद हुए या नहीं? मतलब साफ है, जहां कमल खिलता है, वहां विकास होता है। जहां कांग्रेस आती है वहां घोटाला होता है। इसलिए आप सभी विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी को अपना आशीर्वाद दें। श्री नड्डा ने रीवा, सिरमौर और त्यौथर में आयोजित सभाओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। इन सभाओं को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और मंत्री एवं रीवा से पार्टी इन्चार्ज राजेंद्र शुक्ल सहित कई नेताओं ने संबोधित किया।



श्री नड्डा ने कहा कि आने वाला चुनाव जीत-हार का चुनाव नहीं है। ये विधायक बनाने का चुनाव भी नहीं है। ये आपके हितों का चुनाव है। इस चुनाव में आपको इस बात का निर्णय करना है कि अगले पांच सालों तक कौन आपके हितों की रक्षा कर सकता है। इसलिए ये देखकर वोट मत कीजिए कि कौन आपकी जाति का है, आपके इलाके का है, आपकी भाषा बोलता है या आपका रिश्तेदार है। आपको अपने वोट का फैसला इस आधार

पर करना है कि पांच सालों तक कौन सा व्यक्ति और कौन सी पार्टी आपके हितों की रक्षा और विकास कर सकते हैं। श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार गांव, गरीब, पीड़ित, वंचित, शोषित, पिछड़े, युवा और महिला हर वर्ग के हितों के बारे में सोचती है और सभी को ताकत दे रही है। श्री नड्डा ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को बधाई देता हूँ, जिनके कार्यकाल में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 10 गुना बढ़ी है।

कमलनाथ, बघेल और गहलोत पर किया सीधा हमला, बोले-

दिल्ली दरवार में पैसा भेजते वाले यह नेता

श्री नड्डा ने कांग्रेस नेता कमलनाथ, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर सीधा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि यह नेता दिल्ली दरवार (कांग्रेस आलाकमान) को पैसा भेजने वाले कलेक्टर हैं। उन्होंने कहा कि आपने जब कांग्रेस को चुना था, तो उसने घोटालों के सिवा क्या किया? कोयला घोटाला, अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला, कॉमनवेलथ घोटाला, 2-जी घोटाला, आदर्श हाउसिंग सोसाइटी घोटाला हुआ।

सतना में मीडिया से बोले शिवराज

विंध्य ने कांग्रेस को सब दिया लेकिन कांग्रेस ने कुछ नहीं

भोपाल, देशबन्धु। विंध्य ने कांग्रेस को सब दिया, लेकिन कांग्रेस ने विंध्य को कुछ नहीं दिया। कांग्रेस में केवल परिवारों की चिंता होती आई है कार्यकर्ताओं की नहीं। सतना में ग्लोबल स्किल पार्क बनाया जाएगा। अभी एक ग्लोबल स्किल पार्क बना है भोपाल में, सिंगपुर के सहयोग से बनाया गया है, जिसमें विश्व स्तरीय ट्रेनिंग बच्चों को दी जाती है।

यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सतना में मीडिया से चर्चा करते हुए कही। श्री चौहान ने कहा कि कमलनाथ जी बताएं अपने सवा साल का कार्यकाल में विंध्य के लिए क्या दिया। कितने बार विंध्य के दौरे किए. क्या क्या दिया विंध्य को जो यहां के लोगों का विकास कर सके। हम हिसाब देने को तैयार हैं विंध्य का जो विकास हुआ है भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हुआ है।

बिखरी हुई कांग्रेस प्रदेश का भला नहीं कर सकती

श्री चौहान ने कहा कि बिखरी हुई कांग्रेस कभी देश और प्रदेश का भला नहीं कर सकती। सोनिया गांधी बेटा और बेटों को



ही स्थापित करने में जुटी हैं। इसी परंपरा को कमलनाथ जी निभा रहे हैं, वह अपने बेटे को स्थापित करने में जुटे हैं। उनके बेटे तो टिकट भी घोषित करते हैं।

पहले छिदवाड़ा की टिकट बेटा अनाउंस करेगा और बाद में फिर कांग्रेस अनाउंस करेगी। दिग्विजय जी अपने बेटे को स्थापित करने में जुटे हैं और पद के पीछे इंडी गठबंधन तो बिखर ही गया है कांग्रेस भी बिखर रही है और अब सफाई देनी पड़ रही है हम साथ-साथ हैं।

दिग्विजय सिंह की चक्की ने कमलनाथ को पीस दिया

श्री चौहान ने कहा कि कांग्रेस के नेता तो जय वीरू की जोड़ी बता रहे हैं। अब यह जोड़ी जय वीरू की जोड़ी नहीं है एक फिल्म आई थी मेरे अपने जिसमें श्याम और छेनू की जोड़ी दोनों अपने-अपने बेटे को स्थापित करने में जुटे हैं और पद के पीछे इंडी गठबंधन तो बिखर ही गया है कांग्रेस भी बिखर रही है और अब सफाई देनी पड़ रही है हम साथ-साथ हैं।

सुरजेवाला ने लगाया बड़ा आरोप

सरकार के संरक्षण में हुआ पटवारी परीक्षा घोटाला

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस महासचिव और प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आज शिवराज सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पटवारी परीक्षा घोटाला सरकार के संरक्षण में हुआ है। श्री सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि जब यह मामला सामने चुका था, परीक्षाओं के पहले ही सरकार को इस मामले की जानकारी हो गई थी, इसके बाद भी परीक्षाएं क्यों कराई गईं। उन्होंने आज पत्रकार वार्ता में कहा कि कांग्रेस को सरकार आने के बाद पटवारी भर्ती घोटाले की जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस महासचिव सुरजेवाला ने कहा कि इसका खुलासा इसी साल 4 अप्रैल को ही हो गया था, जब ग्वालियर पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज कर ली थी उस गैंग के लोगों ने बताया था कि कैसे वो परीक्षा में साल्ट कर बैठते हैं, लेकिन फिर भी 15 मार्च से 25 अप्रैल तक परीक्षा कराई गई, क्योंकि



साल्ट कर गैंग को शिवराज सरकार का संरक्षण प्राप्त था। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने आरोपियों से कुछ से लैपटॉप, बायोमेट्रिक मशीन सहित अन्य सामग्री जप्त की थी। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि सरकार के संरक्षण में यह पूरा घोटाला हुआ था, इसलिए प्रदेश स्तर पर व्यापक जांच नहीं कराई गई। श्री सुरजेवाला ने सवाल किया कि जब 4 अप्रैल को एफआईआर हो गई तो 15 मार्च से शुरू हुई पटवारी भर्ती परीक्षा 25 अप्रैल तक कैसे होती रही, इस भर्ती परीक्षा को रद्द क्यों नहीं किया गया, शिवराज सिंह चौहान क्यों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करते रहे? इसका जवाब आज युवा पूछ रहा है।

सुरजेवाला ने सवाल किया कि जब 4 अप्रैल को एफआईआर हो गई तो 15 मार्च से शुरू हुई पटवारी भर्ती परीक्षा 25 अप्रैल तक कैसे होती रही, इस भर्ती परीक्षा को रद्द क्यों नहीं किया गया, शिवराज सिंह चौहान क्यों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करते रहे? इसका जवाब आज युवा पूछ रहा है।

दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई चेतावनी रैली में भरी हुंकार

पुरानी पेंशन बहाली को कर्मचारी लामबंद



नई दिल्ली, देशबन्धु। पुरानी पेंशन बहाली सहित कई दूसरी मांगों को लेकर शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में सरकारी कर्मियों ने चेतावनी रैली आयोजित की है। इससे पहले ओपीएस की मांग पर बड़ी दो रैलियां हो चुकी हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एंप्लॉइज एंड वर्कर्स के बैनर तले आयोजित हुई इस रैली में ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एंप्लॉइज फेडरेशन सहित करीब 50 कर्मचारी संगठनों हिस्सा लिया। कर्मियों का कहना था कि केंद्र सरकार को ओपीएस सहित दूसरी मांगों पर सकारात्मक विचार करना होगा। अगर केंद्र सरकार, एनपीएस की समाप्ति और ओपीएस की बहाली जैसी अन्य मांगें नहीं मानती है, तो कर्मचारी, अनिश्चितकालीन हड़ताल जैसा कठोर कदम भी उठा सकते हैं।

कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एंप्लॉइज एंड वर्कर्स के महासचिव एसबी यादव ने कहा कि केंद्र

सरकार में रिक्त पदों को नियमित भर्ती के जरिए भरना, निजीकरण पर रोक, आठवें वेतन आयोग का गठन और कोरोनाकाल में रोके गए 18 महीने के डीए का एरियर जारी करना, ये बातें भी कर्मचारियों की मुख्य मांगों में शामिल हैं। सरकारी कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर पिछले साल से ही चरणबद्ध तरीके से प्रदर्शन किए जा रहे हैं। दिसंबर 2022 को दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में कर्मियों के ज्वाइंट नेशनल कन्वेंशन के घोषणा पत्र के मुताबिक, कर्मचारियों की मुहिम आगे बढ़ाई जा रही है। राज्यों में भी कर्मियों की मांगों के लिए सम्मेलन/सेमिनार और प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। अब इस कड़ी में दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली आयोजित की गई है। इस रैली में देश के विभिन्न हिस्सों से सरकारी कर्मियों ने हिस्सा लिया।

10 दिसम्बर को होगी चौथी रैली

दिल्ली का रामलीला मैदान, पुरानी पेंशन के लिए सरकारी कर्मियों की लड़ाई का गवाह बन रहा है। तीन बड़ी रैलियों के बाद 10 दिसम्बर को ऑल इंडिया एनपीएस एंप्लॉइज फेडरेशन द्वारा पेंशन जयघोष महारैली की जाएगी। इस रैली की थीम नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत रखी गई है। ऑल इंडिया एनपीएस एंप्लॉइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत पटेल का कहना है कि अगर दस दिसंबर तक केंद्र सरकार, पुरानी पेंशन बहाल नहीं करती है तो उस रैली में अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की जाएगी।

पतंजलि®

यह दिव्य है, अमूल्य है

विश्व का सर्वश्रेष्ठ

पतंजलि च्यवनप्राश व पतंजलि हनी

जो बढ़ाये शक्ति, स्फूर्ति और इम्यूनिटी।



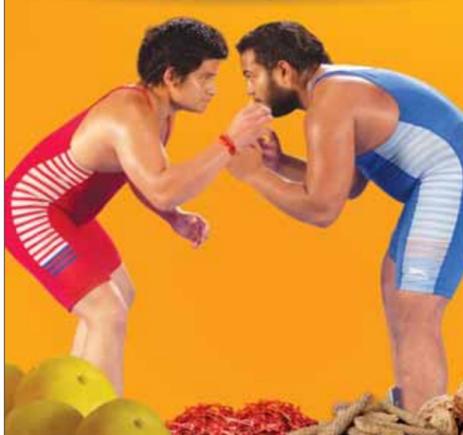
PATANJALI®
New Pack
Honey
1 kg



पतंजलि®
Special
च्यवनप्राश
CHYAWANPRASH

पतंजलि हनी शत-प्रतिशत खरा उतरा है प्योरिटी के 100 से अधिक पैरामीटर्स पर।

पतंजलि च्यवनप्राश में मौजूद 5100 से अधिक एक्टिव कंपाउंड्स सैकड़ों रोगों को मिटाते हैं, पूरे परिवार को आयुष्मान बनाते हैं।



सार समाचार

राजनगर तहसील में निशुल्क प्याऊ का हुआ शुभारंभ



खजुराहो, देशबन्धु। चौरसिया (केपी) फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा राजनगर तहसील परिसर में पर्यावरण के अनुकूल स्वच्छ पेयजल पानी की टंकी आर.ओ.वाटर प्लांट के साथ निशुल्क प्याऊ का निर्माण कराया गया, जिसका शुभारंभ जन्मेजय मिश्रा तहसीलदार राजनगर द्वारा रिबिन काटकर किया गया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार-प्रतीक रजक, चौरसिया (के.पी.) फाउंडेशन की ओर से भंवर सिंह राठीडू, राज खुराना, राजू शर्मा, कपिल सिंह बुन्देला, वामसी कृष्णा, हनीफ भतेजा, भवानी शंकर त्रिलोकचंद सहित अधिका संघ राजनगर से जय तिवारी, देवेन्द्र सोनी, अनिल पट्टेरिया, राजेंद्र सिंह, अध्यक्ष-वीरेंद्र तिवारी, हरिशंकर अवस्थी, पंकज तिवारी, सियाराम चतुर्वेदी, ब्रजेन्द्र खरे, अवदेश तिवारी के अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

अंततः भाजपा को अलविदा करके प्रकाश पाण्डे बने कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री



खजुराहो, देशबन्धु। राजनगर विधानसभा में भाजपा को तगड़ा झटका लगा है। पार्टी में स्थानीय प्रत्याशी की मांग करने वाले असंतुष्ट नेता तथा हॉल ही में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाये गए प्रकाश पाण्डे ने भाजपा को अलविदा कहते हुए 1 नवम्बर को त्यागपत्र दे दिया था। उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री तथा कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ की अनुशंसा पर कांग्रेस पार्टी में प्रदेश महामंत्री पद पर नियुक्त किया गया है, जिसे प्रकाश पाण्डे ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। उन्होंने भगवान मत्तेश्वर मंदिर में जाकर मत्था टेका। इस दौरान उनके साथ राजनगर विधानसभा से 4 बार के विधायक तथा कांग्रेस प्रत्याशी कु.वि.क्रम सिंह नातीराजा तथा कांग्रेस जिलाध्यक्ष महाप्रसाद पटेल साथ रहे। प्रकाश पाण्डे की नियुक्ति पर नातीराजा ने प्रकाश पाण्डे को माला पहनाकर उनका आशीर्वाद लिया। मौके पर मौजूद कांग्रेस जिलाध्यक्ष महाप्रसाद पटेल ने श्री पाण्डे का स्वागत किया। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी नातीराजा ने कहा कि प्रकाश पाण्डे के कांग्रेस में आने से कांग्रेस मजबूत हुई जबकि भाजपा कमजोर हुई है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष महाप्रसाद पटेल ने कहा कि प्रकाश पाण्डे की घर वापसी हुई है उनके आने से जिले की सभी विधानसभाओं में पार्टी प्रत्याशियों को इसका लाभ मिलेगा। प्रकाश पाण्डे का कहना है कि मैंने भाजपा से स्थानीय प्रत्याशी को टिकिट की मांग की थी जिसे अनुसूना कर दिया गया और पूर्व में हारे हुए बाहरी को प्रत्याशी बनाया तो मैंने भाजपा छोड़ दी। अब मैं कांग्रेस का सिपाही हूँ, मुझे पार्टी ने प्रदेश महामंत्री बनाया है मैं अपनी पूरी क्षमता से कांग्रेस को जिताने के लिए मेहनत करूँगा। इस दौरान बुजकिशोर पाण्डे, महेन्द्र सोनी, राजेश खैरा, शिवप्रसाद तिवारी, करण सिंह बुन्देला, सलमान खान मौजूद रहे।

पुलिस ने 9 साल से फरार 2 मामलों के वारंटी को किया गिरफ्तार



लवकुशनगर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक छतरपुर अमित सांघो द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को फरार आरोपी, इनामी बदमाश, गिरफ्तार वारंटी एवं स्थाई वारंटी की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया है। थाना प्रभारी लवकुशनगर प्रशांत सेन के नेतृत्व में थाना लवकुशनगर पुलिस टीम द्वारा थाना लवकुशनगर के अप.क्र.7/14 धारा 294,323,325,506 ता.हि. व अप.क्र. 9/14 धारा 354 ता.हि. में वारंटी आरोपी आशीष चतुर्वेदी पिता दयाराम चतुर्वेदी निवासी परसांनिया थाना लवकुशनगर को शुक्रवार को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया जिसे न्यायालय के आदेश से जेल भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रशांत सेन लवकुशनगर, प्र.आर. अनीश अहमद, वीरेंद्र मोहन, आर. विकास सिंह, आर. शुभम सेन सूरज शर्मा की मुख्य भूमिका रही।

मतदान के लिए लोगों को जागरूक कर रही विद्यार्थी परिषद

छतरपुर, देशबन्धु। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा चलाए गए अभियान नेशन फ्रंट वोटिंग मस्ट के तहत लोगों को मतदान के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है। बोते रोज अभियान के तहत रामदेव नर्सिंग कॉलेज छतरपुर, खजुराहो इंस्टीट्यूट छतरपुर और विश्वविद्यालय में रंगोली के माध्यम से युवाओं को वोट का महत्व बताया गया। विद्यार्थी परिषद के विभाग संगठन मंत्री हिमांशु मिश्रा ने बताया कि कार्यकर्ता जिले भर में लोगों को मतदान के प्रति जागरूक कर रहे हैं। विद्यार्थी परिषद का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता गांव, बाजार, बसों और शिक्षण संस्थानों में जाकर आने वाली 17 तारीख को मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

बहन-बेटियों का अपमान करने वालों को सबक सिखाएं : राजेश शुक्ला बबूल

झमटुली में बनेगी पुलिस चौकी, सटई में खुलेगा महाविद्यालय और ईशानगर नगर परिषद होगी : शिवराज

बिजावर, देशबन्धु। शुक्रवार को मध्यप्रदेश के चहेते नेता एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बिजावर विधानसभा के प्रत्याशी राजेश शुक्ला बबूल द्वारा आयोजित आमसभा में शामिल हुए। बिजावर के मेला मैदान में आयोजित आमसभा के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला, साथ ही राजेश शुक्ला बबूल को जनता का हितैषी बताते हुए उन्हें आशीर्वाद देने की अपील की। कार्यक्रम में बिजावर विधायक राजेश शुक्ल बबूल ने अपने कार्यकाल में सरकार द्वारा पूरी की गई अपनी मांगों के लिए सरकार और श्री चौहान का जनता की ओर से आभार जताया तथा जनता से आशीर्वाद मांगते हुए भावनात्मक अपील की। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री एवं टीकमगढ़ सांसद डॉ. वीरेंद्र कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष मलखान सिंह सहित हजारों की संख्या में बिजावर विधानसभा की जनता उपस्थित रही, जिन्होंने हाथ उठाकर राजेश शुक्ला बबूल को आशीर्वाद देने का संकेत दिया। आमसभा से पूर्व हेलीपैड से सभा स्थल जाने के दौरान जनसमुदाय ने पुष्पवर्षा कर श्री चौहान का अभिनंदन किया।

आमसभा को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से दिवालिया हो चुकी है और उनके पास प्रत्याशी तक नहीं बचे हैं इसीलिए कांग्रेस को बिजावर विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने के लिए छतरपुर जिला और मध्यप्रदेश छोड़कर उत्तरप्रदेश के एक माफिया को टिकिट देना पड़ा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के उम्मीदवार पर एक गीत चरितार्थ हो रहा है कि- तुम तो ठहरे परदेशी साथ क्या निभाओगे, और बिजावर विधानसभा की जनता से मैं अपील करता हूँ कि आप भी परदेशियों से न अँखिया मिलाता गीत गाकर कांग्रेस के बाहरी प्रत्याशी और कांग्रेस को सबक सिखाईए। श्री चौहान ने कहा कि आज कोई नेता नहीं बल्कि बहनों का भाई और बच्चों का मामा आपसे आशीर्वाद लेने आया है। उन्होंने कहा कि मैं दुनिया का इकलौता ऐसा भाई हूँ जिसके पास लाखों-करोड़ों बहनों का आशीर्वाद का है। अपने उद्बोधन में उन्होंने भाजपा की लाडली बहना योजना, आवास योजना, हर-घर-नल से जल योजना, सबल योजना, विद्यार्थियों के संचालित योजनाओं का जिक्र करते कहा कि हमारी



सरकार समाज के हर वर्ग के लिए योजनाएं संचालित करती आई है लेकिन पिछले चुनाव में जब कांग्रेस की सरकार बनी तो कमलनाथ ने एक-एक करके बंद कर दीं। उन्होंने कहा कि 18 महीने में कांग्रेस और कमलनाथ ने इतने पाप किए कि उनके पाप के कारण ही उनकी सरकार गिर गई, जिसका दोष कमलनाथ भाजपा सरकार पर लगाती रहती है। श्री चौहान ने केन-बेत्वा लिंक योजना का जिक्र करते हुए कहा कि यह योजना बिजावर सहित संपूर्ण बुंदेलखंड की तस्वीर बदलेगी जिसे भाजपा सरकार ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी थी तो कमलनाथ हर समय पैसे के लिए रोते रहे लेकिन मेरे पास आप सबका भला करने के लिए पैसे को कोई कमी नहीं है। उन्होंने आने वाली 5 वर्षों का लक्ष्य जनता को बताते हुए कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद सबसे पहले उन लोगों को पट्टे दिए जाएंगे जो भूमिहीन हैं। इसके अलावा जिन लोगों को किसी कारणवश आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है उनके लिए हम लाडली बहना आवास योजना शुरू करने जा रहे हैं। बच्चों को उच्चतम स्तर की शिक्षा देने की मंशा से हमें सीएम राइज स्कूल खोलना जो ग्रामीण अंचलों

की 25 किलोमीटर की परिधी में स्थापित होगा। यह स्कूल निजी स्कूलों से बेहतर होंगे, इनमें लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लास, प्ले ग्राउंड सहित वाहन सुविधा होगी। श्री चौहान ने कहा कि जो बच्चे मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना चाहते हैं उनके माता-पिता भी चिंतित न हों, उनकी पूरी फीस भरने की जिम्मेदारी हमारी रहेगी। इसके साथ ही हमने प्रदेश के हर परिवार में से कम से कम एक सदस्य को रोजगार देने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है, जिसे हम आपके आशीर्वाद से पूरा करेंगे। मंच से शिवराज सिंह चौहान ने बिजावर क्षेत्र के लिए तीन अहम घोषणाएं भी कीं जिनमें झमटुली में पुलिस चौकी, सटई में महाविद्यालय और ईशानगर को नगर परिषद बनाया जाना शामिल था।

अपने भाई और भाजपा का विश्वास टूटने न देना-राजेश शुक्ला बबूल : शिवराज सिंह चौहान के उद्बोधन के उपरांत बिजावर विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी राजेश शुक्ला बबूल ने कहा कि एक वर्ष पूर्व बिजावर में आयोजित हुए मौनिया महोत्सव के मंच पर मैंने जनता की ओर से जितनी भी मांगें रखी थीं उन्हें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा ने पूरा कराया, इसके लिए मैं जनता-जनार्दन की ओर से उनका आभार व्यक्त करता हूँ।

श्री शुक्ला ने कहा कि भाजपा ने आप सबके स्नेह को ध्यान में रखकर ही मुझे प्रत्याशी बनाया है, इसलिए अपने भाई और भाजपा का यह विश्वास आप टूटने न देना। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ और जनता का आशीर्वाद मिला तो बिजावर विधानसभा में विकास की धारा पूर्व की तरह अनवरत बहती रहेगी। कांग्रेस प्रत्याशी का जिक्र करते हुए राजेश शुक्ला बबूल ने कहा कि उनका प्रत्याशी उत्तरप्रदेश से यहां आया है और लगातार विधानसभा में अपने धनबल तथा बाहुबल का प्रदर्शन कर रहा है, यही कारण है कि उनके पास जनता का आशीर्वाद नहीं है। उन्होंने पिछले दिनों कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा बिजावर विधानसभा की बहन-बेटियों को लेकर दिए गए एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि जिस दिन कांग्रेस प्रत्याशी हमारी बहन-बेटियों का स्वाभिमान देख लेंगे उस दिन वे यहां से भाग खड़े होंगे।

भाजपा और सपा से इस्तीफा सोशल मीडिया तक सीमित

कांग्रेस में भारी भगदड़, बदली तस्वीर

नौगांव/छतरपुर, देशबन्धु। गुरुवार को मुख्यमंत्री की आमसभा इस क्षेत्र में थी उसके एक दिन पहले देर शाम मीडिया को एक सूचना दी गयी। टीवी अस्पताल चौराहे पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की जानी है सुबह के समय चौराहे पर कुछ दर्जन महिलायें बैठाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गयी। जिलाध्यक्ष के ऊपर ठीकरा फोड़ा गया और सोशल मीडिया में यह सुर्खियां तब बनी जब देर शाम मुख्यमंत्री आगमन नौगांव में था। भाजपा के पदाधिकारी ने इतनी दर्जन महिलाओं के साथ इस्तीफा दिया। नगर के इतिहास में यह पहला मौका था जब किसी भी चुनाव के वक्त बीच चौराहे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की गयी और पदाधिकारी एक के साथ दर्जनों महिलायें पार्टी से इस्तीफा दे रही। निश्चित तौर पर यह खबर प्रयोजित थी या दबाव बनाने की रणनीति लेकिन देर शाम पत्रा हाउस के एक सरकारी बंगले में इन्होंने कुछ लोग पार्टी करते हुये पकड़े गये। जब प्रशासन द्वारा उनकी वीडियो ग्राफी करायी गयी और सरकारी बंगला लागू रहेगी चाहे वह लाडली बहना हो, जिनके नाम अलॉट था उसको नोटिस जारी किया गया। इससे निश्चित तौर पर सवाल पैदा होता है कि पर्दे के पीछे कौन और क्या यह दबाव की रणनीति काम आयी।

प्रदेश के मुखिया ने जनता



जनार्दन को किया प्रणाम : शाम होते होते घटनाक्रम बदला प्रदेश के मुखिया का आगमन हुआ उन्होंने औपचारिकता को पर रखकर सीधा जनता से रूबरू हुये और सबको यह बात और एहसास कराया कि अगर भाजपा सरकार रहेगी तो उसके द्वारा बनायी गयी सारी योजनायें लागू रहेगी चाहे वह लाडली बहना हो, महिला स्वालंबन बनाना हो आवास योजना हो आदि। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी कामाख्या को विजय दिलाने का संकल्प दिलाया और साथ में एहसास कराया यहां से कामाख्या नहीं हम चुनाव लड़ रहे हैं। इस बीच उन्होंने कामाख्या को

के साथ कांग्रेस में शामिल हुये। इनके साथ भाजपा के भी एक पदाधिकारी ने कांग्रेस की सदस्यता ली। देर रात पुष्पेन्द्र को संगठन के एक पद से नवाजा गया। निश्चितौर पर कांग्रेस के लिये यह राहत भरी खबर हो सकती है वह भी तब जब दौलत कांग्रेस से बागी होकर उनके लिये परेशानियां खड़ी कर रहे है। यह जताने का प्रयास किया यादव समाज सपा के साथ नहीं कांग्रेस के साथ है। पुष्पेन्द्र के पास भी इसके अलावा विकल्प नहीं था क्योंकि सपा से उन्होंने येन वक्त पर टिकट नहीं मिला टिकट देने के बाद उनका नाम हटा दिया भाजपा के पाले में वह जा नहीं सकते थे तो राजनीति बिसात के लिये उनका कांग्रेस के लिये जाना न केवल उनके लिये बल्कि कांग्रेस के लिये लाभकारी है तय शर्त के अनुसार उन्हे एक पद से भी नवाजा गया। टटम मनकारी के भाजपा नेता भी कांग्रेस ज्वाइन् की उसका कारण पंचायत चुनाव में मानवेन्द्र सिंह से उनके मतभेद कांग्रेस में जाने के रास्ते अवश्य खोले है। अब यह देखना होगा कि इससे सपा को या भाजपा को क्या फर्क पड़ता है वैसे भी 6 तारीख की शाम को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव महाराजपुर विधानसभा के प्रत्याशी के समर्थन में नौगांव में एक में आमसभा आयोजित करने वाले है।

सपा प्रत्याशी दौलत तिवारी ने रिवलाइडियों का बढ़ाया प्रोत्साहन

नौगांव, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव महाराजपुर क्षेत्र के लिये दिलचस्प होता जा रहा है क्योंकि सपा प्रत्याशी मजबूत होता नजर आ रहा है। एक तो लंबे असें से क्षेत्र में सक्रिय रहकर राजनीति करना दूसरी और छोटे बड़े आयोजनों में ग्रामीण क्षेत्र में जाकर हिस्सा लेना और तीसरी सबसे बड़ी बात खेल प्रेमी होना। यह तीनों बाते अब सपा प्रत्याशी के लिये लाभदायी साबित हो सकती है। गुरुवार को शाम के वक्त राज्य स्तरीय बास्केट बॉल टूर्नामेंट खेलने जा रही है क्षेत्र की महिला और पुरुष टीम का दौलत तिवारी ने सम्मान किया और उनका प्रोत्साहन बढ़ाया साथ में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुये कहा तुम आगे बढ़ो मैं सदैव आपके साथ खड़ा रहूँगा।



ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क : क्षेत्र की जनता भी दौलत को समर्थन कर रही है वैसे तो चुनावी मुद्दे सामने होते है लेकिन महाराजपुर विधानसभा में त्रिकोणी मुकाबला देखा जा सकता है। शुक्रवार को दौलत तिवारी ने अपने समर्थकों के साथ धरमपुरा, ठठेवर, गरीली, सुनाटी नयाघर मचा कुदेल में जनसंपर्क किया। और समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार ने वोट मांगे।

मप्र उग्र वैक पोस्ट से नदारत रहती एफएसटी टीम



हरपालपुर, देशबन्धु। प्रदेश में विधानसभा चुनाव ने नामांकन प्रक्रिया के बाद जोर पकड़ लिया है। सभी प्रत्याशी मतदानाओं को लुभाने के लिये जनसंपर्क करने में जुटे हैं। वहीं चुनाव में शांतिपूर्ण व्यवस्था बनाये रखने के लिये कलेक्टर एवं निर्वाचन अधिकारी संदीप जोआर द्वारा एमपी बॉर्डर सहित जिले की अन्य सीमाओं पर एफएसटी टीम द्वारा सघन जाँच के आदेश दिये हैं लेकिन इस आदेश के बाद हरपालपुर एमपी-बसों और शिक्षण संस्थानों में जाकर आने वाली 17 तारीख को मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

दोपहर के समय इस अंतर्राज्यीय नाका पर कोई भी अधिकारी कर्मचारी पुलिस बल नहीं रहता है। ऐसे में इस बॉर्डर से आने जाने वाले वाहनों पर नजर रखने जाँच में लापरवाही सामने आ रही है। जबकि बीते दिनों एफएसटी टीम द्वारा एक पिक्अप वाहन से जाँच के दौरान 3 लाख 10 हजार जन्त करने की कार्यवाही की गई। जाँच टीम नदारत रहने के चलते दोपहर में वाहन बिना जाँच के इस अंतर्राज्यीय सीमा से गुजर रहे हैं। बॉर्डर पर सुबह शाम ही एफएसटी टीम के सदस्य नजर नदारत रहती है।

सृजन महाविद्यालय ने जीता जिला स्तरीय महिला हॉलीवॉल रिवताब



लवकुशनगर, देशबन्धु। नगर के सृजन महाविद्यालय में जिला स्तरीय महिला हॉलीवॉल का आयोजन किया गया। जिसमें फाइनल मैच सृजन महाविद्यालय लवकुशनगर एवं यूटीडी महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर के बीच खेला गया। फाइनल में 2-1 से सृजन महाविद्यालय लवकुशनगर की टीम विजेता और यू.टी.डी. छतरपुर की टीम उपविजेता रही।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अनिल पाठक जेलर उपजेल लवकुशनगर ने मौं सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। प्रतियोगिता में प्रेक्षक के रूप में शा. महाविद्यालय लवकुशनगर के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एचवी अहिरवार एवं चयन समिति सदस्य के रूप में विवि छतरपुर से डॉ. राहुल अवस्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के निदेशक

मनोज चतुर्वेदी ने की। प्रतियोगिता के सम्बन्ध में जानकारी संस्था के प्राचार्य डॉ. महेश निगम द्वारा दी गई एवं मुख्य अतिथि अनिल पाठक ने सभी टीमों को खेल भावना के साथ मैच खेलने के लिये सराहना की और कहा कि खेलों के माध्यम से ही छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। प्रारम्भिक मैच सृजन महाविद्यालय लवकुशनगर और शा. बापू महाविद्यालय नौगांव के बीच हुआ जिसमें सृजन महाविद्यालय की टीम 2-0 से विजेता रही। इसके बाद फाइनल मैच सृजन महाविद्यालय लवकुशनगर और यू.टी.डी. महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विवि छतरपुर के बीच हुआ जिसमें भी सृजन महाविद्यालय लवकुशनगर की टीम विजेता रही। टीम में रूपाली चौरसिया (कप्तान), प्रीति चौरसिया, श्रेया पाठक, अंजली कुशवाहा, संस्कृति चौरसिया, अंकिता निपाटी, काजल यादव एवं संस्था के क्रीड़ा प्रभारी नाथराम पटेल ने उत्साहवर्धन किया। अब जीती हुई टीम दमोह में संभाग खेलने जायेगी।

हुट भैया नेताओं ने बेच दिया सरवर्द का पंप हाउस

नल जल योजना पर खड़ा होगा संकट



छतरपुर, देशबन्धु। गौरिहार अनुविभाग अंतर्गत ग्राम सरवर्द में स्थित पंप हाउस को कुछ छुटभैया नेताओं ने जमीन मालिक के साथ मिलकर अपने व्यक्तिगत लाभ के कारण बेच दिया है। इस पंप हाउस में कब्जा कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है जिसके चलते वर्षों से गांव में चल रही नल जल योजना ठप हो गई है। यदि पंप हाउस पर कब्जा कर निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा तो भविष्य में यह योजना संकट के दौर से गुजरेगी। अभी तक कोई भी जिम्मेदार इस कार्य को रोकवाने के लिए आगे नहीं आया है। प्रास जानकारी के मुताबिक वर्षों पूर्व रामपुर रोड पर बनाए गए पंप हाउस को छुटभैया नेताओं ने मोटी रकम लेकर बेचा है। बताया गया है कि संबंधित जमीन के मालिक ने कई दशक पहले पंप हाउस के लिए इस जमीन को दान कर दिया था और इसके बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने जमीन पर पंप हाउस बनाया था। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का कहना है कि योजना को पंचायत को हेंड ओवर किया जा चुका है, जबकि सरपंच का कहना है कि यह योजना

पीएचई के हवाले है। एसडीओ ने की एसडीएम, तहसीलदार, थाना प्रभारी से लिखित शिकायत : लोक स्वास्थ्य यंत्र की विभाग के एसडीओ एस आर वर्मा ने पंप हाउस में कब्जा कर निर्माण कार्य किए जाने की शिकायत एसडीएम गौरिहार देवेन्द्र चौधरी, तहसीलदार गौरिहार श्री सूरज के अलावा सरवर्द थाना प्रभारी से की है। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य तुरंत रोके जाने के प्रयास किया जा रहे है।

इनका कहना

नल जल योजना ग्राम पंचायत को हेंडोवर कर दी गई थी फिर भी आपके माध्यम से पंप हाउस पर निर्माण कार्य किए जाने की जानकारी मिली है जिसको दिखवाता हूँ।

संजय कुहरे, कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, छतरपुर वर्तमान में योजना बंद है, नल जल योजना पंचायत के पास नहीं है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ही इसकी जिम्मेदारी निभाता है। **कृष्ण कुमार साहू,** सरपंच, ग्राम पंचायत-सरवर्द

देशबन्धु

वर्ष - 8 | अंक-255 | सागर, शनिवार, 4 नवम्बर 2023 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 3.00 रुपए

प्रधानमंत्री ने वर्ल्ड फूड इंडिया का किया उद्घाटन

खाद्य सुरक्षा को 21वीं सदी में भी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खाद्य सुरक्षा को 21वीं सदी की चुनौती बताते हुए शुक्रवार को कहा कि सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों से पिछले नौ साल में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के क्षेत्र में 50 हजार करोड़ रुपए का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया है।

मोदी ने वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 का उद्घाटन करते हुए कहा कि सरकार की खाद्य प्रसंस्करण और किसान संबंधी नीतियों के कारण इस क्षेत्र में विदेशी निवेश आया है। सरकार ने इस क्षेत्र में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को भी लागू किया है। उन्होंने कहा कि मत्स्यपालन और पशुपालन के क्षेत्र में भी दस हजार करोड़ रुपए के निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले नौ साल में प्रसंस्कृत खाद्य का निर्यात 150 प्रतिशत बढ़ा है। इस दौरान बड़े पैमाने पर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का निर्यात हुआ है। भारत मंडपम में बोलते हुए मोदी ने कहा



समूह से जुड़ी एक लाख महिलाओं के खाते में बीज पूंजी दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत इस मामले में विश्व में सातवें स्थान पर आ गया है। उन्होंने कहा कि समर्पित मेहनत और निर्यात नीति के कारण खाद्य क्षेत्र में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। एक सौ से अधिक जिले निर्यात हब बन गए हैं और वे विश्व बाजार से जुड़ गए हैं। पहले दो मेगा फूड पार्क थे जो अब बढ़ कर बीस से अधिक हो गए हैं। पहले 12 लाख टन प्रसंस्कृत खाद्य का उत्पादन होता था जो अब बढ़ कर 200 लाख टन हो गया है।

कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में महिलाओं में लीड करने की क्षमता है। तरह तरह के पकवान महिलाओं के कारण तैयार किए जाते हैं। आज स्वंग सहायता

भारत में सांस्कृतिक विविधता के साथ खाद्य विविधता भी

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में सांस्कृतिक विविधता के साथ खाद्य विविधता भी है। भारत के प्रति विश्व की जिज्ञासा बढ़ी है। हमारे लिए पूरी दुनिया बाजार है। उन्होंने खाद्य और फसल तैयारी पूर्व नुकसान को कम करने पर जोर दिया तथा इसके लिए तकनीक का उपयोग करने को कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ उत्पादों का देश से पहली बार निर्यात हो रहा है जिनमें सोया मिल्क, केला, सेब, मशरूम और शहद आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देश में शहरीकरण बढ़ रहा है जिससे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ रही है। इससे छोटे किसानों, उद्योगों और महिलाओं को बढ़ावा मिल रहा है। इससे किसान उत्पादक समूह को भी बढ़ावा मिल रहा है। कुल दस हजार किसान उत्पादक समूह को बनाया जाना है जिनमें से करीब सात हजार बन गए हैं।

छपरा में गायत्री यज्ञ हवन में मची भगदड़

2 महिलाओं की मौत

छपरा, देशबन्धु। बिहार के छपरा में गायत्री यज्ञ हवन में शामिल होने के लिए धक्का-मुक्की के बाद मची भगदड़ से दो महिलाओं की मौत हो गई। हादसे की शिकार हुई दोनों महिलाएं औरंगाबाद जिले की रहने वाली थीं। भगदड़ में करीब पांच महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं।

जानकारी के मुताबिक, दरियापुर के मस्तीचक इलाके में हो रहे गायत्री महायज्ञ की हवन आहुति देने के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी। सुबह यज्ञशाला के खुलते ही भीड़ अनियंत्रित हो गई। इस दौरान धक्कामुक्की होने लगी, जिससे दो महिलाएं जमीन पर गिर पड़ीं। महायज्ञ के पास मौजूद लोग जब महिलाओं को उठाने के लिए आगे बढ़े तो भगदड़ मच गई, जिससे जमीन पर गिरी महिलाएं दबी रह गईं। जब तक उन्हें बाहर निकाला जाता, उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। मृतक महिलाओं की पहचान औरंगाबाद जिले के दाउदनगर वार्ड-21 निवासी रामप्यार की 60 वर्षीय पत्नी रामकली देवी और दाउदनगर के कनापक निवासी मोती रजक की 55 वर्षीय पत्नी पार्वती देवी के रूप में हुई, जबकि घायलों में औरंगाबाद क्षम बिगहा के रहने वाले रामराज की पत्नी माधवी देवी, प्रकाश साह की पत्नी फूलकुमारी देवी, आरा के सियाडीह गांव निवासी सुरेश तिवारी की पत्नी गीता देवी, दरभंगा के पुदुन झा की पत्नी रामा देवी, विरेन्द्र मिश्र की पत्नी बुच्चो देवी हैं।

छपरा में आयोजित इस महायज्ञ के व्यवस्थापकों ने दावा किया है कि यहाँ भारत का सबसे बड़ा गायत्री महायज्ञ आयोजित किया जा रहा है। यज्ञ में 251 हवन कुंड बनाए गए हैं। यज्ञ में शामिल होने के लिए पड़ोसी देश नेपाल से भी लोग पहुंचे हैं। चार दिन के अनुष्ठान का शक्रवार को अंतिम दिन था। घटना को लेकर सारण डीएम अमन समीर ने कहा कि दो महिलाओं का स्वास्थ्य खराब था। भीड़ में होने की वजह से वो गिर गईं और उन्हें ज्यादा चोट लग गई। मौके पर पुलिस बल को तैनात किया गया है।

दिल्ली में प्रदूषण वाली इमरजेंसी

पांचवीं तक के स्कूल बंद, गैर जरूरी निर्माण कार्य पर लगी रोक

नई दिल्ली, देशबन्धु। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण से हेल्थ इमरजेंसी जैसे हालात बन गए हैं। दिल्ली में हवा की गुणवत्ता बेहद खतरनाक स्थिति में पहुंच गई है।

गुरुग्राम समेत पूरे एनसीआर की एयर क्वालिटी गंभीर स्तर में दर्ज हुई। दिल्ली में कई प्रदूषित शहर दिल्ली प्रदूषित शहर रहा है। केंद्रीय जगह का एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 के पास पहुंच चुका है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का मीटर 500 से ज्यादा एक्वआई नहीं दिखाता है। नोएडा में भी एक्वआई 400 से ज्यादा है। गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद समेत पूरे एनसीआर में जहरीली हवा के चलते अंधेरा छाया है। एनसीआर गैस चेंबर बन गया है। ग्रेडेड एक्शन रिस्पांस प्लान का तीसरा स्टेज लागू कर दिया गया है।

शिक्षा निदेशालय ने कहा है कि शनिवार को प्री स्कूल, प्री प्राइमरी और प्राइमरी स्कूल यानी नर्सरी से लेकर क्लास 5 तक के छात्रों के लिए स्कूल बंद रहेंगे। शिक्षा निदेशालय ने कहा है कि ऑनलाइन क्लासेज रखी जाएं। यातायात विभाग ने दिल्ली में पेट्रोल की बीएस-3 और डीजल की बीएस-4 इंजन वाली गाड़ियों के परिचालन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी। यह पाबंदी कमर्शियल वाहनों

के साथ प्राइवेट गाड़ियों पर भी लागू होगी। दिल्ली ही नहीं, दूसरे राज्यों के रिजिस्ट्रेशन नंबर वाली गाड़ियों पर भी यह पाबंदी लागू होगी। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को भी धुंध छाई रही। रेस्पाइर की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली की पांच सालों में सबसे

प्रदूषित शहर रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। लोधी रोड इलाके में एक्वआई 438, जहांगीरपुरी में 491, आरके पुरम इलाके में 486, आईटीओ में 451, नजफगढ़ में 472, आईजीआई एयरपोर्ट में 500, नरेला में 500 और आईजीआई एयरपोर्ट (टी-3) के आसपास 473 है दर्ज किया गया। वहीं नोएडा के सेक्टर-125 में एक्वआई 400 पर बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया है। सेक्टर-62 में 483, सेक्टर-1 में 413 और सेक्टर-116 में 415 पर गंभीर श्रेणी में एक्वआई रहा। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण में वृद्धि के बीच वायु गुणवत्ता पैलन ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के तीसरे चरण के तहत प्रतिबंधों को लागू करने का निर्देश दिया है। जिसमें गैर-जरूरी निर्माण और तोड़-फोड़ के काम पर रोक शामिल है। सीएक्वएम को मॉनिटिंग के बाद राजधानी में ग्रेप-3 को लागू करने का फैसला लिया गया।

भाजपा की राजस्थान विस चुनाव में चौथी सूची जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अपने दो प्रत्याशियों की चौथी सूची जारी की। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने चौथी सूची में दो उम्मीदवारों के नामों को घोषणा की उनमें टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र से राम निवास मीणा और शिव से स्वरूप सिंह खारा को चुनाव मैदान में उतारा है। राजस्थान विधानसभा की 200 सीटों पर हो रहे इस चुनाव में भाजपा ने अब तक 184 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतार चुकी है और अब केवल 16 सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान करना शेष है। चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया सोमवार से जारी है और उम्मीदवारों के नामांकन करने की आखिरी तारीख छह नवंबर है।

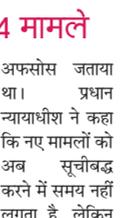
प्रधान न्यायाधीश ने वकीलों को लगाई फटकार

तारीख पे तारीख वाली अदालत नहीं बनेगा सुप्रीम कोर्ट

प्रतिदिन टाले जाते हैं 154 मामले

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को वकीलों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को तारीख पे तारीख अदालत बनने नहीं दिया जा सकता है। उन्होंने बार से अपील की है कि मामलों को बहुत जरूरत पर पढ़ने पर ही स्थगित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 154 मामले टाले जाते हैं।

दिन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रधान न्यायाधीश ने वकीलों द्वारा नए मामलों में स्थगन की मांग का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों के अंदर 3,688 मामलों में स्थगन पत्रों का दाखिल किया गया है। जब तक बहुत जरूरी न हो, कृपया स्थगन पत्रों का दाखिल न करें। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और प्रधान न्यायाधीश वाली पीठ ने कहा कि हम नहीं चाहते कि यह अदालत तारीख-पे-तारीख अदालत बने। गौरतलब है, बॉलीवुड फिल्म दामिनी में सनी देओल का मशहूर डायलॉग तारीख-पे-तारीख था, जिसमें अभिनेता ने अदालतों में लंबित होते मामलों पर



अफसोस जताया था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि नए मामलों को अब सूचीबद्ध करने में समय नहीं लगता है, लेकिन जब वह सुनवाई के लिए आते हैं तो वकील लंबित करने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया बाहरी दुनिया को बहुत बुरा उदाहरण देती है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि बार के सदस्यों से मेरा एक अनुरोध है कि आज के लिए 178 स्थगन पत्रियां आई हैं और मैं स्थगन पत्रियों पर नजर रख रहा हूँ और मुझे कुछ आंकड़े मिले हैं। बार के सदस्यों द्वारा सितंबर से अक्टूबर तक औसतन प्रतिदिन 150 स्थगन पत्र दिए गए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इन दो महीनों के दौरान 3688 स्थगन पत्रियां मांगी गई हैं। मेरा मानना है कि यह मामले को दाखिल करने से लेकर लिस्टिंग तक की प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य को विफल कर देगा।

राघव चड्ढा बिना शर्त माफी मांगें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा के सस्पेंशन केस में सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार 3 नवम्बर को सुनवाई हुई। कोर्ट ने चड्ढा को राज्यसभा से उनके सस्पेंशन के मद्देनजर राज्यसभा सभापति से मिलने और बिना शर्त माफी मांगने का सुझाव दिया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि उपराष्ट्रपति (राज्यसभा सभापति) पूरे मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करके आगे कदम उठा सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने अर्दोनी जनरल आर वेंकटरमणी से दिवाली की छुट्टियों के बाद इस मामले की सुनवाई करने को कहा। आप नेता पर दिल्ली सर्विस बिल पर 5 फर्जी साइन कराने का आरोप है। इसके चलते राघव को संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन 11 अगस्त को राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था।

एमपी के मन में मोदी

प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी की

विशाल जनसभा

रतलाम

दिनांक: 04 नवंबर, शनिवार | दोपहर 2:15 बजे
स्थान - बंजली ग्राउंड



फिर इस बार

भाजपा सरकार

कमल का बटन दबाएं



भाजपा को जिताएं



प्रधानमंत्री जी की जनसभा Live देखने के लिए
QR Code स्कैन करें



अभिमत

सोशल मीडिया के मामले में कांग्रेस जिस तरह फ्रंट लाइन पर खेल रही है, उसके पीछे की पूरी रणनीति समझने में बीजेपी ने देर कर दी। कांग्रेस ने जिस पटकथा लेखक सह डाइरेक्टर, प्रोड्यूसर को ढूँढ निकाला है, उसके समक्ष प्रशांत किशोर जैसी की दुकान उंडी हो चुकी है। 2023-24 का नया अवतार है, जिसे बीजेपी के गर्भनाल से काट ले आये कांग्रेस के खेवनहार। राहुल को गरीबों, मजदूरों का मसीहा बनाने वाले सुनील कनुगोलू के नाम से इस देश का आम मतदाता अपरिचित है।

राहुल तेरे रूप अनेक की स्क्रिप्ट किसने लिखी?

हुल गांधी एक पत्रकार के रूप में अवतरित होकर सत्यलाल मलिक का इंटरव्यू कर रहे हैं। कभी मोटर मैकेनिकों के साथ उनके वर्कशॉप में, तो कभी ट्रक ड्राइवर के साथ। डिजर की मेज पर गुरीब-गुरीब, सब्जी उगाने वाले किसान के साथ खाना खाते देखिये राहुल को। कुली का बोझ उठाते हुए, या फिर खेतों में रोपनी करते हुए। राहुल तेरे रूप अनेक का निर्माण करने में कौन सा ग्रुप लगा हुआ है? कौन है, वो स्क्रिप्ट राइटर, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर? पांच राज्यों के इस चुनाव में राहुल एक प्रयोगशाला से निकले मॉडल की तरह इस्तेमाल हो रहे हैं, जो नीतीश कुमार जैसे नेता तक को हसद और हसरत का सबब दे गया।

नीतीश का अंतर्द्वी की थाह लगे न लगे, मगर भारत में पूफ़ा या जीजा जैसे रूढ़ जाते हैं, वैसा रिएक्शन देने से खुद को रोक नहीं पाये। नीतीश कुमार की बातों को मानकर राहुल को चाहिए कि पांच राज्यों के चुनाव को बीच में छोड़कर इंडिया गठबंधन के पथरिले मार्ग को प्रशस्त करने में लग जाएं। यह भी एक प्रहसन ही होता। गठबंधन के महत्वाकांक्षी नेताओं की पार्टियाँ चुनाव मैदान में अलग-अलग खेल रही हैं, उससे नीतीश कुमार को कष्ट नहीं है। कोई पत्रकार उन्हें से सवाल पूछ लेता कि इंडिया गठबंधन को कोऑर्डिनेट करने के काम से आप क्यों पीछे हट गये नीतीश बाबू?

चुनावी मौसम में सर्वे को सट्टे के कारोबार से कम मत समझिए। इसके कारोबारियों ने हवा का रूख समझने के लिए दिल्ली ही नहीं, देश के मेट्रो शहरों में जिस पैमाने पर छात्रों को हायर किया है, उसे समझना हो तो विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों में जाइये। चुनाव तक सर्वे करने के वास्ते खर्च 50 हजार से लाख रुपये महीने के पगार पर इंग्रज हैं, तो उन्हें फिलहाल नौकरी की चिंता किसलिए?

पांच राज्यों के इस चुनाव में मीडिया में जिस तरह का घमासान मचा हुआ है, वह अभूतपूर्व है। दुनिया के मुख्तलिफ हिस्सों से तुलना करें, तो सबसे अधिक यूट्यूब देखने वाले भारत में हैं, और उसी अनुपात में सर्वाधिक यूट्यूबर्स भी उा आये हैं। स्टैटिस्का द्वारा दी जानकारी के अनुसार, भारत में 46 करोड़ 20 लाख यूट्यूब के दर्शक हैं। उसके मुक़ाबले केवल 6 करोड़ 56 लाख दर्शक टेलीविजन के हैं। यही वजह है कि सेटलाइट चैनल सफेद हाथी बन चुके हैं। वहां दर्शकों का टोटा पड़ चुका है। आज की तारीख में बीजेपी के रहमोक़रम पर चलने वाला मीडिया पब्लिक ओपिनियन जेनरेट नहीं कर पा रहा है।

भारत के मुक़ाबले आधे भी की कम 23

करोड़ 90 लाख लोग अमेरिका में यूट्यूब देखते हैं। तीसरे नंबर पर ब्राज़ील 144 मिलियन, मैक्सिको 83.1 मिलियन, जापान 78.6 मिलियन, पाकिस्तान 71.7 मिलियन, जर्मनी 67.8, वियतनाम 63 मिलियन, फिलिपींस 58.1 और तुर्की 57.5 मिलियन यूट्यूब के दर्शक हैं। यही वजह है कि इन दिनों यूट्यूब पत्रकारिता का धमाल मचा हुआ है। सेटलाइट चैनल इस रेश में पीछे चल रहे हैं। देश की हर बड़ी पार्टियाँ यूट्यूबर्स को लुभाने, उन्हें अपने आइने में उतारने और गाइडलाइंस देने के लिए युद्ध स्तर पर बैठकें कर रही हैं। यह भी चुनाव रणनीति का हिस्सा है, जिसमें इंडिया गठबंधन की तमाम पार्टियों में से कांग्रेस का ग्राफ सबसे ऊपर है।

सोशल मीडिया के मामले में कांग्रेस जिस तरह फ्रंट लाइन पर खेल रही है, उसके पीछे की पूरी रणनीति समझने में बीजेपी ने देर कर दी। कांग्रेस ने जिस पटकथा लेखक सह डाइरेक्टर, प्रोड्यूसर को ढूँढ निकाला है, उसके समक्ष प्रशांत किशोर जैसी की दुकान उंडी हो चुकी है। 2023-24 का नया अवतार है, जिसे बीजेपी के गर्भनाल से काट ले आये कांग्रेस के खेवनहार। राहुल को गरीबों, मजदूरों का मसीहा बनाने वाले कनुगोलू के नाम से इस देश का आम मतदाता अपरिचित है। कर्नाटक के बल्लारी में जन्मे तेलुगु भाषी कनुगोलू ने न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने से पहले अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा चेन्नई में बिताया है। सुनील कनुगोलू अब बंगलूरु में रहते हैं, जहां वह पिछले एक दशक से राजनीतिक रणनीतिकार के रूप में एक सफल कैरियर बना रहे हैं।

सुनौली रणनीति के नये अवतार सुनील कनुगोलू को मार्च 2023 में कांग्रेस द्वारा नियुक्त किया गया था। बताते हैं कि सोनिया गांधी ने सुनील कनुगोलू को पार्टी के 2024 लोकसभा चुनाव टास्क फोर्स का सदस्य नामित किया था। इस रणनीतिकार की कोई ऑनलाइन उपस्थिति नहीं है। हालांकि कभी-कभी कनुगोलू ने तमिलनाडु में डीएमके और एआईएडीएमके के साथ काम किया है। कहना कठिन है कि प्रशांत किशोर सुनील कनुगोलू के गुरु रहे हैं, मगर 2014 में वो प्रशांत किशोर की टीम में थे। सुनील कनुगोलू ने 2014 में नरेंद्र मोदी के चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बाद में भाजपा के एसोसिएशन ऑफ बिजनेस माइंड्स (एबीएम) के प्रमुख के रूप में कार्य किया था।

उन्होंने फरवरी 2018 तक अमित शाह के साथ मिलकर काम किया और उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक में भाजपा के चुनाव अभियानों में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाई, जिनमें से सभी में भाजपा विजयी हुई। सुनील कनुगोलू ने 2016 के विधानसभा चुनावों के लिए एमके स्टालिन और उनकी डीएमके के लिए भी काम किया। 2019 में विधानसभा चुनाव में तमिलनाडु की 39 सीटों में से 38 पर डीएमके को फतह दिलाने में सुनील कनुगोलू की रणनीति काम कर गई। मगर, 6 अप्रैल 2021 के विधानसभा चुनाव में सुनील कनुगोलू डीएमके से अलग हो गए, क्योंकि स्टालिन चाहते थे कि वह प्रशांत किशोर के साथ मिलकर काम करें।

यह जानना दिलचस्प है कि सुनील कनुगोलू ने 2022 में थोड़े समय के लिए टीडीपी के लिए भी काम किया था। उन्हें अप्रैल 2022 में टीडीपी का रणनीतिकार बनाया गया। उसी वर्ष सितंबर में कनुगोलू ने टीडीपी के साथ काम करने से मना कर दिया। उन दिनों कांग्रेस के लोग इस रणनीतिकार पर नज़र गड़ाये बैठे थे। कनुगोलू को लाने में कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की बड़ी भूमिका रही थी।

बहुत बाद में यह राज खुला कि सुनील कनुगोलू अरसे से के.सी. वेणुगोपाल के करीबी रहे हैं। कम लोग जानते हैं कि आज की तारीख में यह शख्स कांग्रेस उम्मीदवारों की चयन में प्रभावशाली रहा है। कुछ को छोड़कर, कांग्रेस उम्मीदवारों को मुख्य रूप से सुनील कनुगोलू की टीम द्वारा किए गए सर्वेक्षणों के आधार पर चुनाव चुना है। प्रत्यक्षां चुनाव का यह प्रयोग कर्नाटक चुनाव में सफल हुआ, चुनावों में पांच राज्यों में आजमाने की हरी झंडी दे दी गई थी।

मई 2023 में, कनुगोलू को कांग्रेस आलाक़ामाने में 'टास्क फोर्स 2024' के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। यह कांग्रेस द्वारा उदयपुर में अपनाए गए नव संकल्प घोषणा को क्रियान्वित करने के लिए बनाई गई एक टीम थी। कनुगोलू के अलावा टीम में पी.चिदंबरम, मुकुल वासनिक, जयराम रमेश, के.सी. वेणुगोपाल, अजय माकन, प्रियंका गांधी वाड़ा और रणदीप सिंह सुरजेवाला जैसे प्रमुख नेता शामिल थे।

कनुगोलू को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की योजना बनाने का भी श्रेय दिया गया है। माना जाता है कि यह यात्रा देश की सबसे पुरानी पार्टी द्वारा उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम था, जिससे चुनाव परिणामों पर असर दिखने लगा था। 14 राज्यों में फैली यह 4,080 किलोमीटर की यात्रा 7 सितंबर, 2022 को शुरू हुई और 30 जनवरी, 2023 को समाप्त हुई। जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों से जुड़ने के उद्देश्य से इस यात्रा ने कांग्रेस की जमीनी

पहुंच को काफी बढ़ावा दिया। एक तरह से भारत जोड़ो यात्रा राहुल गांधी के राजनीतिक कैरियर की रिलॉन्गिंग थी, जिसका श्रेय सेफोलांजिस्ट कनुगोलू को देते हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले जिस तरह से गहन सर्वे किया था, वह देश की सर्वे एजेंसियों के लिए नया प्रतिमान गढ़ गया।

कायदे से देखा जाए तो चुनावी रणनीति के बाजार में कनुगोलू इस समय टॉप पर चल रहे हैं। प्रशांत किशोर क्या अब सिर्फ इतिहास बनकर रह जायेंगे? यह भी एक सवाल राजनीतिक विश्लेषकों के समक्ष है। प्रशांत किशोर सर्वे से लेकर चुनावी रणनीति के कारोबार में रहे न रहे, यह काम निबंध गति से चलता रहेगा। ठीक से देखा जाए तो 2019 से भारत में सर्वे का कारोबार कई गुणा बढ़ता गया है। 2023-24 तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का वो कालखंड है, जहां सर्वे सटीक होने की संभावना बढ़ चली है।

याद रखें कि अपने देश में सर्वे के धंधे को चलाये रखने वाली लॉबी इतनी ताकतवर है कि 2014 के चुनाव में निर्वाचन आयोग को नीचे झुकने पर विवश कर दिया था। 5 मार्च 2014 को चुनाव आयोग ने आचार संहिता लागू करते समय आदेश दिया था कि मतगणना के बाद ही किसी तरह के सर्वे, एंक्विस्ट पोल दिखाये जाएं। इसपर खूब हो हल्ला मचा, और अंततः चुनाव आयोग को यह आदेश वापिस लोते हुए यह तय करना पड़ा कि 12 मई 2014 को शाम 6.30 तक आखिरी वोट पड़ जाने के बाद एंक्विस्ट पोल दिखा सकते हैं।

2014 के आम चुनाव के बाद से सत्ता समर्थक कितने नेताओं और उनके संरक्षण में धंधा चलाने वालों ने सर्वे कंपनियों खोली हैं, थिंक टैंक का काम आरंभ किया है, इन सबके वास्ते देश का काला धन और विदेश से चोरी-छिपे पैसे की जिस तरह से उगाही हो रही है, उसकी ठीक से पड़ताल हो, तो रोचक किस्से सामने आएंगे। इस समय सत्ता के गलियारों में ही नहीं, इंडिया को चुनावी मैदान में फहल दिलाने के वास्ते अलग-अलग सोशल ग्रुप मीडिया को फ्रंट लाइन पर खड़ा कर लंबा खेल रहे हैं। किसी ज़माने में मीडिया हाउस के मैनेजरों ने संपादक जैसी संस्था को हाईजैक कर लिया था, अब उस जगह को इवेंट मैनेजरों और राजनीति को रिमोट कंट्रोल से चलाने वाले महानुभावों ने कब्ज़ा कर लिया है। एडीसीई बेचारे करें भी क्या? उनके ज्ञान के आगे नतमस्तक हैं!

pushpr1@rediffmail.com

केरल के लाइले सपूत अच्युतानंदन को सौ साल के होने पर ढेर सारे लाल सलाम

• एल एस हरदेनिया

वे केरल के चमकदार सूर्य हैं, उसके सामाजिक-राजनीतिक वायुमंडल में सदियों के बाद आकाश में चमकने वाला ऐसा तारा देखने को मिला है। इन शब्दों के साथ इंडियन एक्सप्रेस ने यह सूचित किया है कि केरल के लाइले सपूत वेलिककतु शंकर अच्युतानंदन 100 वर्ष के हो गए हैं। हृदयाघात के बाद पांच साल पहले उन्होंने केरल की राजनीति से सन्यास ले लिया है परंतु केरल के लाखों निवासियों की नजरों में आज भी पूरी तरह फिट हैं। अपनी जोरदार वाणी और गतिविधियों से उन्होंने केरल की राजनीति और सोपीएम समेत सभी राजनैतिक दलों को चौकन्ना रखा है। वे 2006 से 2011 तक केरल के मुख्यमंत्री रहे और 1991 से 1996 तक और फिर दुबारा 2011 से 2016 तक केरल विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता रहे।

सन् 2016 के विधानसभा चुनाव में वामपंथी मोर्चे ने उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ा और जीता भी। उस समय वे 93 वर्ष के थे लेकिन शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह फिट थे। उनकी शारीरिक स्थिति को देखते हुए उन्हें केरल का फिटिल केस्ट्रो कहा जाता था। उन्हें 2016 से 2021 तक प्रशासनिक सुधार आयोग का अध्यक्ष बनाया गया। इस समय तक सोपीएम का नेतृत्व पिनाराय विजयन के हाथों में चला गया था। वर्ष 1923 में एक पिछड़ी जाति के परिवार में अच्युतानंदन का जन्म हुआ। उन्होंने 11 वर्ष की आयु में अपने माता-पिता को खो दिया। 12 वर्ष की आयु में उन्होंने स्कूल छोड़ दिया और अपने भाई की टेलरिंग के काम में उनकी मदद करना प्रारंभ कर दिया। उस समय अनेक कान्यूसिटी की तरह वे भी 15 वर्ष की आयु में कांग्रेस में भर्ती हो गए। परंतु दो वर्ष के बाद वे सोपीआई में शामिल हो गए और मधुआरों, और नारियल तोड़ने वालों के बीच काम करने लगे।

इस दौरान अपनी भाषण कला के कारण वे मजदूरों में लोकप्रिय हो गए। अपनी कार्यक्षमता के कारण सोपीआई में उन्हें एक के बाद एक जिम्मेदारियाँ मिलने लगीं। सन् 1957 में वे राज्य सचिवालय के सदस्य बन गए। यह वह वर्ष था जब सोपीआई के हाथ में केरल की सत्ता आ गई। सन् 1964 में सोपीआई के 32 प्रमुख सदस्यों में से थे जिन्होंने सोपीआई छोड़कर सोपीएम की स्थापना की। जिन 32 सदस्यों ने सोपीएम की स्थापना की थी, उनमें से अच्युतानंदन समेत दो सदस्य ही अब जीवित हैं। वे पहली बार 1967 में विधानसभा के लिए चुने गए और सन् 1991 से 1996 तक केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे और अंततः 2006 से 2011 तक केरल के मुख्यमंत्री रहे। 2011 से 2016 तक वे दुबारा नेता प्रतिपक्ष रहे।

इन पंक्तियों के लेखक को उनसे मिलने का सौभाग्य मिला। जब मैं उनसे मिला उस समय वे प्रतिपक्ष के नेता थे। उनके बंगले में बहुत ही सदा फर्नीचर था। मेरी उनसे लंबी बातचीत हुई। बातचीत के दौरान मैंने उनसे कहा कि क्या वे मुझे कॉपी नहीं पिलाएंगे। उनका उत्तर था 'नहीं'। उन्होंने कहा कि यदि मैं प्रत्येक आर्गुमेंट को कॉपी पिलाता रहूँगा तो मेरा दिवाला निकल जाएगा। आखिर मुझे अपने वेतन से ही अपना खर्च चलाना पड़ता है। वेतन का एक हिस्सा मुझे पार्टी को देना पड़ता है। मुझे उनके स्टाफ ने बताया कि वे वर्षों से फर्श पर ही सोते हैं। वे सादगी के भरपूर प्रतीक हैं और इसलिए भी केरल में भारी लोकप्रिय हैं।

वैश्विक भूख सूचकांक 2023 में भारत की बेहद खराब स्थिति एक बड़ी चिंता का विषय

चिंता की बात यह है कि वैश्विक भूख सूचकांक 2023 में भारत का स्कोर 28.7 है और यह देश सर्वश्रेष्ठ किये गये 125 देशों में 111वें स्थान पर है। इसकी तुलना में, हमारे पड़ोसियों का प्रदर्शन बेहतर है, जिसमें श्रीलंका 60वें, नेपाल 69वें, बांग्लादेश 81वें और पाकिस्तान 102वें स्थान पर है। 120.0-34.9 के बीच का (जीएफआई) स्कोर गंभीर माना जाता है, जबकि 9.9 या उससे कम को सबसे कम भूखमरी, 10.0-19.9 मध्य भूखमरी, 35.0-49.9 चिंताजनक, और 50.0 या अधिक को बेहद चिंताजनक। हम भूखमरी के गंभीर स्तर पर हैं, यह वास्तविक चिंता का कारण है।

जीएफआई स्कोर चार घटक संकेतकों पर आधारित हैं - अल्पपोषण यानी अपर्याप्त कैलोरी सेवन; उम्र के हिसाब से कम ऊंचाई वाले बच्चों की संख्या (स्टैटिंग के शिकार बच्चों); बच्चों का अपनी कद के हिसाब से वजन कम या कमजोर (वैस्टिंग का शिकार) होना; और बाल मृत्यु दर में उन बच्चों की संख्या जो अपने पांचवें जन्मदिन से पहले ही मर जाते हैं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएसएचएस) 2019-21 से पता चलता है कि भारत ने अपनी आबादी के बीच स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति में कोई महत्वपूर्ण सुधार नहीं देखा है। 7.7 प्रश बच्चे गंभीर रूप से कमजोर हैं, 19.3 प्रश बच्चे कमजोर हैं, और 35.5 प्रश बच्चे बीने हैं। इसलिए यह प्राथमिक

महत्व का है कि हमारे नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए अल्प पोषण के मुद्दे का समाधान किया जाये। इसके लिए नीतिगत सुधार, पोषण कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन और निर्बाध खाद्य वितरण प्रणाली सुनिश्चित करके असमानता को कम करने के कदम उठाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

एक सक्रिय भारतीय वयस्क को प्रतिदिन 2800 - 3200 कैलोरी की आवश्यकता होती है जबकि शारीरिक श्रम करने वाले व्यक्ति को प्रति दिन 3700 से अधिक कैलोरी की आवश्यकता होगी। इसलिए शारीरिक श्रम करने वाले को अधिक मात्रा में भोजन की आवश्यकता होती है।

संगुलित पौष्टिक आहार का अर्थ है पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट और विटामिन और खनिज के रूप में सूक्ष्म पोषक तत्व शरीर में जाना। ईटी-लैस्ट आयोग द्वारा सुझाए गए प्लेनैटरी हेल्थ डाइट के अनुसार दैनिक भोजन में मूंगफली और अन्य दाने: 50 ग्राम, फलियाँ (दालें, दाल, बीन्स): 75 ग्राम, मछली: 28 ग्राम, अंडे: 13 शामिल होने चाहिए। ग्राम/दिन (प्रति सप्ताह 1 अंडा), मांस: 14 ग्राम/चिकन: 29 ग्राम, कार्बोहाइड्रेट: साबुत अनाज की रोटी और चावल, 232 ग्राम, कार्बोहाइड्रेट: 50 ग्राम स्टाचियुक्त सब्जियाँ जैसे आलू और रतालू, डेयरी: 250 ग्राम, सब्जियाँ: 300 ग्राम विना स्टाच वाली सब्जियाँ और 200 ग्राम फल, अन्य: 31 ग्राम चीनी और खाना पकाने का तेल: 50 ग्राम। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने भी भारतीयों के लिए इसी तरह के दिशानिर्देश जारी किये हैं।

वर्तमान बाजार मूल्य पर इस भोजन की कुल लागत प्रति व्यक्ति लगभग 200/- रुपये प्रतिदिन आती है। इसका मतलब यह है कि पांच सदस्यों वाले एक परिवार को प्रतिदिन 1000 रुपये या प्रति माह 30000 रुपये केवल भोजन पर खर्च करना होगा।

विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (एसओएफआई) 2023 रिपोर्ट के अनुसार, जो संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ), कृषि विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय कोष (आईएफएडी), संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 2021 में 74प्रश भारतीय आबादी स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में सक्षम नहीं थी, जो कि विचार किये गये देशों में चौथी सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। इसका मतलब यह है कि भारत में 100 करोड़ से अधिक लोग अपर्याप्त पोषण वाला भोजन खाने को बाध्य हैं। यह सर्वविदित है कि गरीबी कुपोषण का कारण बनती है, जो बदले में गरीबी को बढ़ाती है।

इसलिए यह उचित है कि गरीबी उन्मूलन, पर्याप्त मजदूरी और नागरिकों के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आजीविका

डॉ अरुण मित्रा

के साधन सुनिश्चित करने के माध्यम से लोगों की क्रय क्षमता बढ़ाई जाये।

5 किलो अनाज और एक किलो दाल और थोड़ा सा तेल देने की सरकार की योजना विटामिन और खनिज जैसे आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों को पूरा नहीं करती है जो शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक हैं। लोग इतने भोजन से भी संतुष्ट हैं यह देश के लिए शर्म की बात है। यह गरीबी के स्तर को और इशारा करता है कि जो भोजन बमुरिकल निर्वाह के लिए पर्याप्त है वह लोगों के लिए एक बड़ी राहत है।

ऑक्सफैम की असमानता रिपोर्ट को उद्धृत करना उचित होगा: 'भारत की शीर्ष 10प्रश आबादी के पास कुल राष्ट्रीय संपत्ति का 77प्रश हिस्सा है। 2017 में उद्वरग संपत्ति का 73प्रश सबसे अमीर 1प्रश के पास संचित था, जबकि 67 करोड़ भारतीय, जो आबादी का सबसे गरीब आधा हिस्सा हैं, उनकी संपत्ति में केवल 1 प्रश की वृद्धि देखी गई। भारत में 119अरबपति हैं। उनकी संख्या 2000 में केवल 9 से बढ़कर 2017 में 101 हो गई है। 2018 और 2022 के बीच, भारत में हर दिन 70नये करोड़पति पैदा होने का अनुमान है। यह इसके विपरीत है कि कई आम भारतीय अपनी जरूरत की स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंचने में सक्षम नहीं हैं। उनमें से 630 लाख हर साल स्वास्थ्य देखभाल की लागत के कारण गरीबी में धकेल दिये जाते हैं - अर्थात लगभग हर सेकंड दो लोग।

ग्रामीण भारत में न्यूनतम वेतन पाने वाले एक कर्मचारी को एक अग्रणी भारतीय परिधान के पनी में सबसे अधिक वेतन पाने वाला कार्यकारी एक साल में जितना कमाता है उतना कमाने में 941 साल लगेगे। इसके अलावा, ऑक्सफैम रिपोर्ट में कहा गया है: 'हालांकि भारत सरकार अपने सबसे धनी नागरिकों पर बमुरिकल कर लगाती है, जबकि सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा पर दुनिया में सबसे कम खर्च करती है। एक अच्छी तरह से वित्त पोषित स्वास्थ्य सेवा के स्थान पर, इसने एक तेजी से शक्तिशाली वाणिज्यिक स्वास्थ्य क्षेत्र को बढ़ावा दिया है।' इसमें कहा गया है: 'परिणामस्वरूप, अच्छी स्वास्थ्य सेवा केवल उन लोगों के लिए उपलब्ध है जिनके पास इसके लिए भुगतान करने हेतु पैस हैं, अन्य के लिए एक विलासिता है। जबकि देश चिकित्सा पर्यटन के लिए एक शीर्ष गंतव्य है, सबसे गरीब भारतीय राज्यों में शिशु मृत्यु दर उच्च-सहारा अफ्रीका की तुलना में अधिक है। वैश्विक मातृ मृत्यु में 17प्रश और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में 21प्रश मृत्यु भारत में होती है।

विभिन्न श्रमिक संगठनों ने कैलोरी आवश्यकताओं के सिद्धांत के आधार पर न्यूनतम वेतन 26000/- रुपये प्रति माह तय करने की मांग की है। अल्पत निराशा की बात है कि सरकार ने न्यूनतम वेतन 178/- रुपये प्रतिदिन की घोषणा की। यह आंतरिक श्रम मंत्रालय समिति को प्रतिदिन 375/- रुपये की संचारिका के बावजूद है।

इस संदर्भ में, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने हैदराबाद में 'भारत में महिलाओं की भविष्य की भूमिका' विषय पर फिक्की के एक कार्यक्रम में ग्लोबल हंगर इंडेक्स के बारे में जिस तरह से बात की, वह उनके अहंकार और गरीबों के प्रति असवेदनशीलता का प्रतिबिंब है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि भूख सूचकांक की गणना की पद्धति पर किसी अन्य देश ने आपत्ति नहीं जताई है। यह दुख की बात है कि इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पोपुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस) के वरिष्ठ प्रोफेसर और निदेशक प्रोफेसर केएस जेम्स, जिन्होंने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 (2019 - 2021) आयोजित किया था और गर्भवती महिलाओं और बच्चों में एनीमिया में वृद्धि की सूचना दी थी। इस तथ्य को रिपोर्ट में लाने पर उनको निलंबित कर दिया गया क्योंकि यह सरकार के हित के खिलाफ है।

हमारी सरकार को 5 खरब अर्थव्यवस्था बनाने की आकांक्षा उसके खोखले दरवां की पोल खोलती है। रिपोर्ट की अनलोचना करने के बजाय सरकार को इस गड़बड़ी को दूर करने के लिए उठाये जाने वाले कदमों के बारे में बात करनी चाहिए थी।

देश में बेरोजगारी की असली तस्वीर क्या है?

किसी देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले तीन सबसे महत्वपूर्ण मेकरो इकॉनॉमिक घटक हैं - विदेशी विनिमय दर, मुद्रास्फीति दर और बेरोजगारी दर। पहले घटक विदेशी विनिमय दर के प्रबंधन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक जिम्मेदार है जो हर कार्य दिवस पर पहले इसे सटीक और आधिकारिक रूप से रिपोर्ट करता है। दूसरे घटक मुद्रास्फीति दर की रिपोर्ट सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा हर महीने दी जाती है। तिसरी आधिकारिक घोषणा एक महीने के अंतराल के साथ आती है। यानी नंबर के महीने में अपने को पता चल जाता है कि अक्टूबर में महंगाई दर क्या रही। सटीक या पर्याप्त प्रतिनिधि नहीं होने के कारण आधिकारिक मुद्रास्फीति दर की आलोचना की जा सकती है। यह वस्तुओं की एक टोकर पर औसत कीमतों के उतार-चढ़ाव पर आधारित है। इसलिए आलोचना वैध और अपरिहार्य है। फिर भी, मुद्रास्फीति की इस संख्या का उपयोग व्यापक रूप से ब्याज दरों, सरकारी कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में वृद्धि और विभिन्न अनुबंधों में लागू वृद्धि खंड निर्धारित करने के लिए किया जाता है। महंगाई दर को कम और स्थिर रखना आरबीआई का काम है परंतु आरबीआई सरकार की खर्च करने की प्रवृत्ति के कारण राजकोषीय बोझ से दबा है। इस महंगे दर के कारण हम चुनावी मूड में आ रहे हैं तब राजनीतिक दल मुफ्त उपहारों का भारत की पराजित कर रहे हैं जो राजकोष पर और बोझ डालेंगे तथा मुद्रास्फीति को बढ़ाएंगे। न तो आरबीआई और न ही सरकार इस उच्च मुद्रास्फीति का दोष अपने सिर पर लेगी।

तीसरा मुख्य इकॉनॉमिक वैरिएबल बेरोजगारी की दर है जिसके बारे में हमारे पास स्पष्ट तस्वीर नहीं है। आखिर बेरोजगारी की सही तस्वीर के इर्द-गिर्द यह कोहरा क्यों छाया हुआ है? सबसे पहली बात यह है कि कृषि क्षेत्र में आधे कार्य बल को उद्यमी या स्व-नियोजित के रूप में देखा जाता है। अनुमान है कि कृषि उत्पादन का चालीस प्रतिशत हिस्सा भूमिहीन श्रमिकों या छोटे किसानों द्वारा उत्पादित किया जाता है जो अन्य खेतों पर मजदूरों के रूप में काम करते हैं। इन श्रमिकों के पास मौसमी रोजगार है लेकिन काम के पास कोई लिखित अनुबंध नहीं है और न ही उन्हें उनके तथाकथित नियोजकों से कोई लाभ मिलता है। शेष कार्य बल का चौथा-पांचवां हिस्सा कृषि से परे अनौपचारिक या अर्ध-नियोजित क्षेत्र में है। ये भी बिना लिखित अनुबंध के काम करने वाले श्रमिक हैं। बहुत से लोग जो कहते हैं कि वे 'काम' कर रहे हैं, वे कई अंशकालिक नौकरियां कर सकते हैं। पूर्णकालिक नौकरी नहीं होने को 'बेरोजगार' माना जा सकता है लेकिन यह भ्रामक होगा। एक ऐसे देश में जहां 90 प्रतिशत कार्य बल के पास सुरक्षित नौकरियां नहीं हैं अथवा काम मांगने वालों का नारा है 'मुझे नौकरी नहीं, काम चाहिए'। प्रतिबंधात्मक कड़े श्रम कानूनों या आर्थिक विकास पूंजी गहन श्रम बचत या श्रम विस्थापन के कारण औपचारिक क्षेत्र की रोजगार वृद्धि निराशाजनक है।

फिर श्रम बाजार की सही तस्वीर और उसके मिजाज के बारे में जानकारी प्राप्त करना कैसे संभव है? अप्रैल 2017 के बाद से सरकार मिथादी श्रम बल सर्वेक्षण (पिरीओडिक लेबर फोर्स सर्वे - पीएलएफएस) नामक एक त्रैमासिक बिथान प्रकाशित करती है। पीएलएफएस केवल शहरी क्षेत्रों के लिए तीन तिमाही संकेतकों, श्रमिक जनसंख्या अनुपात, श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) तथा बेरोजगारी दर का अनुमान लगाता है। यह ग्रामीण एवं शहरी, दोनों क्षेत्रों में बेरोजगारी का वार्षिक अनुमान भी प्रदान करता है। जुलाई तिमाही के अंत तक की नवीनतम रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष हैं - पिछली पांच तिमाहियों में पुरुषों के लिए एलएफपीआर 73.5 प्रतिशत पर स्थिर था और महिलाओं के लिए 18.9 से बढ़कर 21.1 प्रतिशत था। दूसरी बात यह है कि बेरोजगारी दर पुरुषों के लिए 7.1 से गिरकर 5.9 प्रतिशत और महिलाओं के लिए 7.6 से 6.6 प्रतिशत हो गई है। ये सुधार उत्साहजनक हैं हालांकि



डॉ.अजीत रानाडे

कृषि में आजीविका अनिश्चित, कम भुगतान और कम उत्पादकता वाली है। निर्माण या होटल और रेस्तरां की तुलना में विनिर्माण में रोजगार का हिस्सा स्थिर या गिर रहा है अथवा और भी कम है। चूँकि रोजगार में वृद्धि अनिवाद्य और तत्काल आवश्यकता है इसलिए हमें एक ऐसे सटीक 'थर्मामीटर' की आवश्यकता है जो अर्थव्यवस्था में रोजगार और बेरोजगारी का एक विश्वसनीय सूचक हो।

आंकड़े इस भ्रम को और बढ़ा रहे हैं। सीएमआई की कार्यप्रणाली के बारे में बहुत चर्चा, बहस और आलोचना की गई है। यह कहना पर्याप्त है कि सीएमआई के अनुमान, खासकर युवाओं के बीच बेरोजगारी की अधिक निराशाजनक तस्वीर पेश करते हैं। भारत के कुछ राज्यों में सीएमआईई ने युवा बेरोजगारी को 37 प्रतिशत तक बताया है।

डेटा का एक अन्य स्रोत रोजगार भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से आता है जो विशेष रूप से औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के बारे में जानकारी देता है। दावा किया जा रहा है कि ईपीएफओ नामांकन से रोजगार में अच्छी वृद्धि दिख रही है। लेकिन ईपीएफओ केवल उन फर्मों का डेटा कैप्चर करता है जो पीएफ नियमों का पालन करते हैं यानी जो 10 से अधिक कर्मचारियों को रोजगार देते हैं। लेकिन यदि किसी संगठन में श्रमिकों की संख्या 9 से 11 श्रमिकों तक हो जाती है तो ईपीएफओ 11 के एक पंजीकरण दिखाएगा लेकिन वास्तविक रोजगार वृद्धि केवल 2 नई नौकरियों की हुई थी। इसके अलावा अगर कोई कर्मचारी एक नौकरी छोड़कर दूसरी नौकरी ज्वाइन करता है तो ईपीएफओ केवल नए कर्मचारियों को रिकॉर्ड करता है किन्तु नौकरी छोड़ने वालों की संख्या नहीं घटाता है।

नौकरी डेट का एक स्रोत जॉब पोर्टल है और टीमलीज जैसी कंपनियों से भी डेटा इकट्ठा किया जाता है। लेकिन सही तस्वीर का अनुमान लगाना 'अंधे पुरुषों और हाथों' की कहानी की तरह है। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि श्रम शक्ति के किस हिस्से को 'टच' किया जा रहा है। कुछ कम होने से पहले 2018-19 से चार वर्षों में कृषि कार्यबल की हिस्सेदारी 42.5 से बढ़कर 46.5 प्रतिशत हो गई। यह चिंताजनक है क्योंकि कृषि में आजीविका अनिश्चित, कम भुगतान और कम उत्पादकता वाली है। निर्माण या होटल और रेस्तरां की तुलना में विनिर्माण में रोजगार का हिस्सा स्थिर या गिर रहा है अथवा और भी कम है। चूँकि रोजगार में वृद्धि अनिवाद्य और तत्काल आवश्यकता है इसलिए हमें एक ऐसे सटीक 'थर्मामीटर' की आवश्यकता है जो अर्थव्यवस्था में रोजगार और बेरोजगारी का एक विश्वसनीय सूचक हो।

(लेखक प्रमिद्ध अर्थशास्त्री हैं। सिडिकेटे: दी विलियम प्रेस)

उत्तरपुर में रोचक है गढ़ छीनने और बचाने का प्रतिष्ठापूर्ण मुकाबला

कमल और पंजे के बीच आए हाथी से मुकाबला बना त्रिकोणीय

• संजय सक्सेना

छतरपुर, देशबन्धु। पिछले कई चुनावों का रिकॉर्ड देखें तो छतरपुर सीट पर जनता भाजपा का साथ देती आई है, इसलिए छतरपुर सीट को भाजपा का गढ़ कहा जाने लगा था। वर्ष 2018 के चुनाव में प्रदेश में सत्ता परिवर्तन हुआ तो कांग्रेस के आलोक चतुर्वेदी ने भाजपा से यह गढ़ छीन लिया था। इस बार भाजपा उसे वापस पाने और कांग्रेस उसे बचाने में पूरा जोर लगा रही है, इस रोचक मुकाबले में दोनों प्रमुख दलों की प्रतिष्ठा दांव पर है।

वर्ष 1977 के पहले तक जहां यह क्षेत्र कांग्रेस के पक्ष में रहता था, इसके बाद कांग्रेस के लिए सूखा रहा है। 1977 से अब तक 10 चुनावों में यहां से 3 बार कांग्रेस, 3 बार भाजपा और 4 बार समाजवादी जीते हैं। इस तरह कहा जा सकता है कि इस सीट का मिजाज एक तरह से कांग्रेस विरोधी ही रहा है। कांग्रेस प्रत्याशी अगर जीतता भी है तो मामूली मतों के अंतर से। वर्ष 2008 में परिसीमन के बाद छतरपुर से जुड़ा बड़ा ग्रामीण हिस्सा नई राजनगर विधानसभा सीट में चला गया। परिसीमन के बाद छतरपुर सीट से पहले चुनाव में भाजपा की नगर पालिका अध्यक्ष रहें ललिता यादव ने 30,446 वोट लेकर लगभग 7850 वोटों से बसपा प्रत्याशी डीलमणि सिंह %बन्धु राजा को हराया था। डीलमणि को 22,591 वोट मिले थे। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी संतोष अग्रवाल को 15,191 मत मिले और उनकी जमानत जब्त हो गई।

वर्ष 2013 में कांग्रेस ने दिग्गज नेता सत्यव्रत चतुर्वेदी के अनुज आलोक चतुर्वेदी को चुनाव



लड़ाया। वे भाजपा की ललिता यादव से 2,217 वोटों से हार गए। तब सुश्री यादव को 44,623 और श्री चतुर्वेदी को 42,406 वोट मिले जबकि निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में श्री सिंह 17683 वोट झटक ले गए। वर्ष 2018 में कांग्रेस ने दोबारा आलोक चतुर्वेदी को मौका दिया। इस बार आलोक चतुर्वेदी के मनाने पर डीलमणि सिंह खुद चुनाव नहीं लड़े और कांग्रेस के साथ हो लिए। इधर भाजपा ने पूर्व विधायक ललिता यादव को छतरपुर की बजाय बड़ामलेहरा से

टिकट दे दिया। छतरपुर से नगर पालिका अध्यक्ष अर्चना सिंह को मैदान में उतारा गया। डीलमणि सिंह की मदद से आलोक चतुर्वेदी 3501 वोटों के अंतर से जीत गये। उन्हें 65,774 और अर्चना सिंह को 622,73 वोट मिले थे।

ये गलती समझ में आ जाने से इस बार भाजपा आलाकमान ने पहली सूची में ही ललिता यादव का टिकट पक्का करके गढ़ वापस लाने की जिम्मेदारी सौंपी है। उधर डीलमणि सिंह ने खुद बहुजन समाज पार्टी से टिकट लेकर चुनावी मुकाबला को दिलचस्प बना दिया है। इस तरह से इस सीट पर कमल और पंजे के बीच आए हाथी से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

जातीय गणित के साथ विकास बना मुद्दा

छतरपुर विधानसभा सीट पर जातीय समीकरणों का आंशिक असर रहता है। ज्यादा वोट दलीय आधार पर ही पड़ते हैं। देखा जाये तो छतरपुर में सामान्य वर्ग के 54 फीसदी, पिछड़ा वर्ग 18 फीसदी, अनुसूचित जाति 16, अनुसूचित जनजाति 2 और मुस्लिम मतदाता 8 फीसदी है। हालांकि इनमें भाजपा के प्रति प्रतिबद्ध मतदाताओं का तादाद ज्यादा है। वहीं मुस्लिम मतदाताओं का रुझान हमेशा कांग्रेस की ओर ही रहता है।

हार-जीत के पीछे प्रत्याशी की छवि भी रही है। इस चुनाव पर भी जहां जातीय गणित कुछ असर डालेगा, वहीं प्रत्याशी की छवि और विकास मुख्य मुद्दा खड़ा होगा। भाजपा को छतरपुर में विश्वविद्यालय, सीएम राइज स्कूल खोलने, मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा और नगर निगम बनाने जैसी घोषणाओं का लाभ मिलेगा। वहीं कांग्रेस पुराने महाराजा कॉलेज का विश्वविद्यालय में संविलियन और लिंक रोड न बन पाने जैसे मुद्दे उठा रही है। भाजपा नगर पालिका के जरिए किए कामों को धुनायेगी तो विधायक क्षेत्र में कराये गये कामों को गिनायेगा। इसी तरह कई और विकास के मुद्दे चुनावी संग्राम के अंतिम समय में नजर आने वाले हैं।

कलेक्टर ने आकाशवाणी तिराहे से छत्रसाल चौक तक पैदल निरीक्षण किया



के लिए निर्देश। उन्होंने दुकानदारों को समझाईस देते हुए कहा कि अपने आसपास और दुकान के सामने स्वच्छता बनाए रखें। उन्होंने निर्देशित किया कि स्वच्छता की एक टीम पूरे दिन मुख्य चौराहों की स्वच्छता व्यवस्था देखें। साथ ही चौराहों पर मजबूत डस्टबिन रखवाए।

कलेक्टर ने गुटखा, सिगरेट आदि स्वास्थ्य के प्रति हानिकारक सामग्रियों की बिक्री नहीं करने की समझाईस दी। उन्होंने रोड किनारे सामग्री विक्रय करने बैठने वाले लोगों के लिए सही स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अवैध रूप से अतिक्रमण को हटाने के भी निर्देश दिए। साथ ही अनावश्यक पड़ी सामग्री को जम्ब करने को कहा। कलेक्टर ने रोड किनारे जहां अंधेरा है वहां अधिक प्रकाश वाली ट्यूबलाइट लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने ईई पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया कि जो रोड पर गहड़े करके छोड़ाए हैं उन पर कार्यवाही करें।

हमें युवाओं को आगे बढ़ाने वाली व्यवस्था बनानी है : चतुर्वेदी



छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी आलोक चतुर्वेदी ने कहा है कि हमें छतरपुर जिले के होनहार युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक नई व्यवस्था बनानी है। वह काम जो कांग्रेस की 18 साल की सरकार में नहीं हो सका उसे करने के लिए एक नई सोच का नेतृत्व जरूरी है। यह तभी सम्भव है जब मद्र में कांग्रेस की कमलनाथ

सरकार बने जो विकास के मांडल का निर्माण करे। आलोक चतुर्वेदी फज्जन भैया ने आज विधानसभा क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में घर घर जाकर जनसम्पर्क करते हुए युवाओं का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मैंने पांच वर्षों के अपने सेवाकाल में युवाओं के लिए अनेक कार्य किए हैं। खेल में युवाओं को आगे बढ़ाने

ससुर के लिए बहू ने घर-घर जाकर मांगा आशीर्वाद

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर विधानसभा से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार बीपी चंसौरिया का जनसंपर्क लगातार जारी है। श्री चंसौरिया के साथ उनके पुत्र एवं बहू भी जनसंपर्क में जुटी हुई हैं। बीते रोज श्री चंसौरिया ने जहां छतरपुर की सीताराम कॉलोनी, ग्राम गौरगंज, कैडी, मुवासी और भगवंतपुरा का दौरा कर जनता से संवाद किया, तो



वहीं उनकी बहू आकांशा चंसौरिया ने चौबे कॉलोनी में घर-घर जाकर लोगों से अपने ससुर बीपी चंसौरिया के लिए आशीर्वाद मांगा।

ग्रामीण अंचलों के दौरे पर पहुंचे सभा प्रत्याशी बीपी चंसौरिया का जगह-जगह लोगों ने आत्मीय स्वागत किया। वहीं जनता को संबोधित करते हुए

श्री चंसौरिया ने कहा कि वे समाज में बदलाव चाहते हैं इसलिए आज आप सबके बीच आशीर्वाद लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि यदि आप सबने आशीर्वाद दिया तो हमारी विधानसभा को लूट-खसोटी, भ्रष्टाचार, कमिशनखोरी करने वाले लालचू नेताओं से छुटकारा मिलेगा इसके बाद ही समाज

के शासनकाल में छोटे-छोटे कामों के लिए परेशान होते रही। हर काम के बदले जनता को पैसे देने पड़े। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब हमें पैसे नरानाओं को करारा जवाब देते हुए बदलाव देना है। जनसंपर्क के दौरान श्री चंसौरिया को जनता का भरपूर समर्थन मिला।

के शासनकाल में छोटे-छोटे कामों के लिए परेशान होते रही। हर काम के बदले जनता को पैसे देने पड़े। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब हमें पैसे नरानाओं को करारा जवाब देते हुए बदलाव देना है। जनसंपर्क के दौरान श्री चंसौरिया को जनता का भरपूर समर्थन मिला।

प्रबंधन विभाग के विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण पर पचमढ़ी रवाना



छतरपुर, देशबन्धु। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के प्रबंधन और वाणिज्य विभाग के छात्र 02 नवंबर, 2023 को पचमढ़ी के तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर निकले। यह भ्रमण छात्रों को सीखने का अवसर प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया है। इस दौरे को 2 नवंबर, 2023 को विश्वविद्यालय के कुलसचिव विजय सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र चौधरी और वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आशीष पचौरी भी उपस्थित रहे। शैक्षणिक भ्रमण पर विद्यार्थियों के साथ संकाय सदस्य, सुदर्शन बबेले, अनुप्रिया नामदेव, विशाल सिंह परिहार, मेघा शुक्ला, साहिबा फराह भी गये। भ्रमण के दौरान, विद्यार्थी पचमढ़ी में विभिन्न पर्यटक स्थलों जैसे - धूपगढ़, चौरागढ़ और रजत प्रपात झरने का भ्रमण कर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेगे। साथ ही साथ विभिन्न उद्यमियों के साथ बातचीत करके उनके अनुभवों के बारे में जानेंगे। इसके अतिरिक्त, छात्र पर्यटन उद्योग, सूक्ष्म व्यवसाय, उद्यमिता और प्रबंधन के बुनियादी सिद्धांतों पर व्याख्यान में भी भाग लेंगे। इस शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थीगण पर्यटन द्वारा सीखने का अनुभव प्राप्त करेंगे। इससे उन्हें पर्यटन उद्योग, सूक्ष्म व्यवसाय, उद्यमिता और प्रबंधन में व्यावहारिक ज्ञान की प्राप्ति होगी जो उनके अध्ययन में मूल्यवान होगी।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने शैक्षणिक भ्रमण पर जाने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुये कहा कि शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है। ये भ्रमण विद्यार्थियों को अपने और दूसरों के अनुभव से सीखने का एक अच्छा अवसर देते हैं। जब विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण पर जाते हैं तो वे अपनी आँखों से प्रत्यक्ष रूप में देखकर किसी भी विषयवस्तु का वर्णन करने में सक्षम हो जाते हैं। शैक्षणिक भ्रमण के लिए चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धारट, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी एवं कुलसचिव विजय सिंह ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

फायरिंग के मामले में पुलिस दो पर दर्ज किया मामला



छतरपुर, देशबन्धु। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में बीती शाम हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने जांच के बाद दो युवकों पर मामला पंजीबद्ध किया है। कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद कुजूर के मुताबिक महोबा रोड पर छात्रावास के समीप रहने वाले दीपक शुक्ला की रिपोर्ट पर करन सिंह ठाकुर और प्रदीप सिंह पर मामला पंजीबद्ध किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी करन सिंह का दीपक शुक्ला के भाई हरिओम शुक्ला के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर पुरानी रंजिश थी जिसके चलते करन सिंह और उसके साथी प्रदीप सिंह ने उसके घर के बाहर फायरिंग की थी, जिसमें से एक गोली स्थानीय युवक प्रशांत कुशवाहा को लगी थी।

आम सभा में हजारों की संख्या में दिरवी भीड़ कांग्रेस पार्टी के स्टार प्रचारक गुड्डू राजा ने भाजपा सरकार को बताया लुटेरों की सरकार

गुवारा, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव मतदान की तारीख नजदीक आते ही उम्मीदवार पूर्ण रूप से कमर कसे हुए नजर आने लगे हैं क्षेत्र में जहां जनसंपर्क जोरो से कर रहे तो वहीं आमसभाएं करने लगे हैं बात हम बड़ामलेहरा विधानसभा की करे तो यह सीट लोधी व? यादव बाहुल्य है जहां से कांग्रेस व भाजपा दोनों पार्टियों ने लोधी प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा है जहां कांग्रेस से राम सिया भारती को वहीं भाजपा से प्रधुमन सिंह जो वर्तमान में विधायक रहे लेकिन क्षेत्र में विकास न होने से जनता प्रधुमन सिंह से नाराजगी व्यक्त करते हुए नकार रहे वहीं राम सिया भारती को भरपूर समर्थन दे रहे हैं इसका जीता जागता उदहारण आज सामने देखने को मिला जब कांग्रेस पार्टी द्वारा आमसभा रखी आमसभा को सुनने हजारों की संख्या में जनता एकत्रित हुईं औ? कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारों से सभा स्थल गुंज उठा आमसभा कांग्रेस के स्टार प्रचारक बने उ प्र के गुड्डू राजा बुंदेला सहित कांग्रेस के फायरब्रांड माने जाने वाले नेता रोशनी यादव रक्षपाल यादव सहित कई नेता मौजूद रहे।

स्टार प्रचारक गुड्डू राजा हैलीकॉप्टर से प्रशासन की तय समय अनुमति पर नगर के हाईसैकन्डी स्कूल में हैलीकॉप्टर से उतरे जहां प्रत्याशी रामसिया भारती सहित कार्यकर्ता ने फूल माला व पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत करते हुए सभास्थल पहुंचे जहां जय कांग्रेस विजय कांग्रेस के नारे लगाते हुए पुष्प हार पहनाकर स्वागत किया स्वागत बेला के उपरांत रोशनी यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए भाजपा

को जनता को शोषण की सरकार बताया है साथ ही कहा कि 18 वर्षों से वहिनो की याद नहीं आज जनता भट्ट सरकार को बदलने का मूड बनाकर चुकी है वहीं कांग्रेस नेता रक्षपाल यादव ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा है कि बड़ामलेहरा विधानसभा में प्रधुमन सिंह द्वारा तानाशाही का आलम बनाया गया हर क्षेत्र में अवैध कामों को किया बड़ामलेहरा में विकास शून्य रहा भाजपा सरकार में गरीब जनता की कमर तौड़ धी आज उसी के चलते जनता ने ऐसी भी सरकार को उखाड़ फेंकने का दृढ़ संकल्प लें लिया है वहीं स्टार प्रचारक गुड्डू राजा ने सभा को सम्बोधित करते हुए भाजपा सरकार को गुंडे व निकम्मे की सरकार बताते कमलनाथ द्वारा गरीबों के हित में किए कार्य किसान कर्ज माफी व कांग्रेस की सरकार बनते ही कांग्रेस पार्टी द्वारा जो योजनाएं तैयार किये गये है उस पर काम कर के गरीबों को मजबूत बनाने की बात कही अंत में कांग्रेस प्रत्याशी रामसिया भारती ने सभा व मंच पर उपस्थित अतिथियों व जनता जनार्दन को नमन करते हुए कहा कि प्रधुमन लोधी द्वारा 5 वर्ष तक दलालों के माध्यम से व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया आज हमारी बड़ामलेहरा विधानसभा में बेरोजगारी चरम सीमा गरीब लोगों परेशान हैं जिससे आने वाली 17 को कांग्रेस पार्टी को अपना कार्यकर्ता ने फूल माला व पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत करते हुए सभास्थल पहुंचे जहां जय कांग्रेस विजय कांग्रेस के नारे लगाते हुए पुष्प हार पहनाकर स्वागत किया स्वागत बेला के उपरांत रोशनी यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए भाजपा

कलेक्टर ने आकाशवाणी तिराहे से छत्रसाल चौक तक पैदल निरीक्षण किया



के लिए निर्देश। उन्होंने दुकानदारों को समझाईस देते हुए कहा कि अपने आसपास और दुकान के सामने स्वच्छता बनाए रखें। उन्होंने निर्देशित किया कि स्वच्छता की एक टीम पूरे दिन मुख्य चौराहों की स्वच्छता व्यवस्था देखें। साथ ही चौराहों पर मजबूत डस्टबिन रखवाए।

कलेक्टर ने गुटखा, सिगरेट आदि स्वास्थ्य के प्रति हानिकारक सामग्रियों की बिक्री नहीं करने की समझाईस दी। उन्होंने रोड किनारे सामग्री विक्रय करने बैठने वाले लोगों के लिए सही स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अवैध रूप से अतिक्रमण को हटाने के भी निर्देश दिए। साथ ही अनावश्यक पड़ी सामग्री को जम्ब करने को कहा। कलेक्टर ने रोड किनारे जहां अंधेरा है वहां अधिक प्रकाश वाली ट्यूबलाइट लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने ईई पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया कि जो रोड पर गहड़े करके छोड़ाए हैं उन पर कार्यवाही करें।

फायरिंग के मामले में पुलिस दो पर दर्ज किया मामला



छतरपुर, देशबन्धु। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में बीती शाम हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने जांच के बाद दो युवकों पर मामला पंजीबद्ध किया है। कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद कुजूर के मुताबिक महोबा रोड पर छात्रावास के समीप रहने वाले दीपक शुक्ला की रिपोर्ट पर करन सिंह ठाकुर और प्रदीप सिंह पर मामला पंजीबद्ध किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी करन सिंह का दीपक शुक्ला के भाई हरिओम शुक्ला के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर पुरानी रंजिश थी जिसके चलते करन सिंह और उसके साथी प्रदीप सिंह ने उसके घर के बाहर फायरिंग की थी, जिसमें से एक गोली स्थानीय युवक प्रशांत कुशवाहा को लगी थी।

डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, 2 घायल



छतरपुर, देशबन्धु। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में बीती शाम देरी तिराहा के समीप एक तेज रफ्तार डंपर के चालक ने बाइक सवार युवकों को जोरदार टक्कर मार दी जिससे दो युवक बुरी तरह जखमी हो गए। स्थानीय लोगों

की मदद से युवकों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद एक युवक को गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर किया गया। प्रास जानकारी के मुताबिक ईशानगर थाना क्षेत्र के ग्राम जनकपुर

का रहने वाला दीपक अहिरवार अपने दोस्त रिकू पुत्र प्रभुदयाल अहिरवार उम्र 24 वर्ष के साथ किसी काम से छतरपुर आया था। काम निपटाने के बाद जब दोनो वापिस अपने घर जा रहे थे तभी छतरपुर में देरी तिराहा के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दीपक और रिकू बुरी तरह घायल हो गए थे। दोनो को स्थानीय लोगों की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, साथ ही परिजनों को सूचना दी गई। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद दीपक अहिरवार को गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर किया गया है। बताया गया है कि दीपक के सिर में गंभीर चोट लगी है।

लोक्तंत्र का सम्मान करें, 17 नवम्बर को मतदान करें



के लिए केजीपीएल और कबड्डी के बड़े आयोजन किए हैं। बेटियों के लिए ग्लैमर अवार्ड जैसे कार्यक्रम कर सैकड़ों बेटियों को ब्यूटी आर्ट का प्रशिक्षण दिलाया। हम ऐसे अनेक कार्य कर सकते हैं यदि प्रदेश में हमारी सरकार बने। उन्होंने कहा की यदि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनती है तो हम छतरपुर विधानसभा के 10 हजार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए एक ठोस योजना पर काम करेंगे। हमारा उद्देश्य है कि हम अपने लोगों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार दे सकें ताकि इनको पलायन न करना पड़े। उन्होंने जनता से कहा कि 17 नवंबर को कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें। कांग्रेस प्रत्याशी आलोक चतुर्वेदी ने शुरुवार को शहर के छुई खदान वार्ड नं.21, शंकरगढ़ पुरवा वार्ड नं.23 सहित ग्रामीण क्षेत्र के अटारन, चन्द्रपुर एवं गडेवरा का दौरा कर लोगों से घर-घर जाकर जनसंपर्क किया।

ससुर के लिए बहू ने घर-घर जाकर मांगा आशीर्वाद

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर विधानसभा से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार बीपी चंसौरिया का जनसंपर्क लगातार जारी है। श्री चंसौरिया के साथ उनके पुत्र एवं बहू भी जनसंपर्क में जुटी हुई हैं। बीते रोज श्री चंसौरिया ने जहां छतरपुर की सीताराम कॉलोनी, ग्राम गौरगंज, कैडी, मुवासी और भगवंतपुरा का दौरा कर जनता से संवाद किया, तो



वहीं उनकी बहू आकांशा चंसौरिया ने चौबे कॉलोनी में घर-घर जाकर लोगों से अपने ससुर बीपी चंसौरिया के लिए आशीर्वाद मांगा।

ग्रामीण अंचलों के दौरे पर पहुंचे सभा प्रत्याशी बीपी चंसौरिया का जगह-जगह लोगों ने आत्मीय स्वागत किया। वहीं जनता को संबोधित करते हुए

श्री चंसौरिया ने कहा कि वे समाज में बदलाव चाहते हैं इसलिए आज आप सबके बीच आशीर्वाद लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि यदि आप सबने आशीर्वाद दिया तो हमारी विधानसभा को लूट-खसोटी, भ्रष्टाचार, कमिशनखोरी करने वाले लालचू नेताओं से छुटकारा मिलेगा इसके बाद ही समाज

के शासनकाल में छोटे-छोटे कामों के लिए परेशान होते रही। हर काम के बदले जनता को पैसे देने पड़े। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब हमें पैसे नरानाओं को करारा जवाब देते हुए बदलाव देना है। जनसंपर्क के दौरान श्री चंसौरिया को जनता का भरपूर समर्थन मिला।

शिक्षक शिवदत्त शुक्ला को सेवानिवृत्त होने पर दी विदाई

छतरपुर, देशबन्धु। शासकीय प्राइमरी स्कूल बूढ़ा में पदस्थ शिक्षक शिवदत्त शुक्ल शास्त्री सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्ति के अवसर पर उन्हें समारोह पूर्वक विदाई दी गई। लवकुशनगर तहसील के ग्राम गुड्डा कला में 11 अक्टूबर 1961 को जन्मे श्री शास्त्री की नियुक्ति 13 जनवरी 1984 को हुई थी और वे 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने 39 वर्ष 10 माह शिक्षण कार्य किया।

उन्होंने संस्कृत से शास्त्री, एमए, बीएड करके शिक्षा देकर कर्तव्यनिष्ठा पूर्ण करने का सतत प्रयास किया। उन्हें विभिन्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके पढ़ाए छात्र-छात्रांयें देश-विदेश आदि में उच्च पदों पर सेवारत हैं।

विदाई समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी एमके कोट्यार, उप संचालक शिक्षा डॉ केके तिवारी, जन शिक्षा केंद्र पड़रिया के अनिल

श्रीवास्तव, सीएसपी महिपाल की मौजूदगी में प्रभारी प्रधान अध्यापक प्रेम चंद्र जैन, दरयारम अहिरवार, सरोज द्विवेदी, सुमन पटेल आदि ने श्री शास्त्री को शॉल, श्रीफल, रुद्राक्ष की माला, रामचरित मानस, श्रीमद् भगवत गीता, राम दरवार आदि भेंट कर विदाई दी। विद्यालय परिवार ने समारोह में शामिल होने आए श्री शास्त्री के परिजनों का भी सम्मान किया।

फार्मेट सी-2				
(राजनैतिक दलों के लिए वेबसाइट, समाचार पत्रों/ टी.वी. में प्रकाशन हेतु)				
दल द्वारा खड़े किए गए अभ्यर्थियों के आपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में घोषणा				
(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इंटररेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार)				
राजनैतिक दल का नाम:-		इंडियन नेशनल कांग्रेस		
* निर्वाचन का नाम:-		विधान सभा आम निर्वाचन हटा 57		
राज्य/संघ शासित क्षेत्र का नाम:-		मध्यप्रदेश		
1	2	3	4	5
क्रम सं.	अभ्यर्थी का नाम	निर्वाचन क्षेत्र का नाम	लंबित आपराधिक मामले	आपराधिक मामले के लिए दोषसिद्धि के विषय के संबंध में विवरण
	प्रदीप खटीक	हटा 57	न्यायालय का नाम, मामले की सं. एवं मामलों की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धाराएं और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
1	प्रदीप खटीक	हटा 57	श्रीमती राखी देवलिया न्यायिक दंडाधिकारी दमोह 384/2013 RCT 701180/2013	20.07.2013 म.प्र. शासन द्वारा मामला वापिस लेने के कारण माननीय न्यायालय द्वारा मामला समाप्त
2	प्रदीप खटीक	हटा 57	श्रीमान शैलेन्द्र उईके न्यायिक दंडाधिकारी हटा RCT/ 1266/ 2015	19.04.2018 माननीय न्यायालय द्वारा आरोप दोष मुक्त
3	प्रदीप खटीक	हटा 57	359/2022	पुलिस विवेचना में आरोप झूठे पाए गए जिसके पश्चात 11.07.2023 को खारिजी. 50,33/23
* राज्य सभा के निर्वाचन और विधान सभा सदस्यों द्वारा, विधान परिषद के निर्वाचन के मामलों में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।				
टिप्पणी:- (i) उपयुक्त सूचना प्रत्येक राज्य/संघ शासित क्षेत्र के लिए राज्य-वार प्रकाशित की जायेगी।				

मुख्यमंत्री ने खरगापुर के मेला ग्राउंड में भाजपा प्रत्याशी राहुल सिंह लोधी के समर्थन में की सभा बोले

कांग्रेस सरकार आने पर ना लाड़ली रहेगी और ना बहना: शिवराज



बल्लेवाड़, देशबन्धु। शुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरगापुर विधानसभा के नगर खरगापुर में पहुंचकर मेला ग्राउंड से भाजपा प्रत्याशी राहुल सिंह लोधी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए श्री चौहान ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कमलनाथ और दिवंगत जय सिंह को जय-वीरू कहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा है तो उन दोनों को राजनीति छोड़कर शोले

फिल्म के गाने गाना चाहिए। सीएम शिवराज ने कहा कि भाजपा परिवार को सरकार है। बताओ 15 माह की कांग्रेस सरकार ने खरगापुर विधानसभा में क्या विकास किया है। उन्होंने कहा कि कमलनाथ जनता के सामने रो-रो कर कह रहे हैं कि मैंने क्या पाप किया था, जो मेरी सरकार गिर गई। तो सुनो कमलनाथ मैं बताता हूँ कि तुमने 15 महीने में क्या-क्या पाप किए हैं। उन्होंने कहा कि कमलनाथ सरकार ने भाजपा की संवत्त योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, तीर्थ दर्शन योजना जैसी तमाम जनकल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी थी। सीएम शिवराज ने कहा कि सुनो मेरी लाडली बहनों, कांग्रेस कमलनाथ आ गए तो ना लाड़ली रहेगी और ना बहना रहेगी। सब लपेट लपट के बंद कर देंगे। इसलिए अपनी यानी बीजेपी सरकार को दोबारा बनाना है और राहुल सिंह लोधी को फिर से विधायक बनाना है। अभी तो 1250 रुपए मिल रहे हैं, इसको बढ़कर 3 हजार तक दिए जाएंगे। सीएम शिवराज ने कहा कि सभी परिवारों के एक सदस्य को रोजगार दिलाया जाएगा। लाड़ली बहनों के साथ-साथ किसान भाइयों को भी 6 हजार मामा दे रहा है। 6 हजार प्रधानमंत्री दे रहे हैं, इस राशि में भी वृद्धि की जाएगी।

तालाबों को नदी से जोड़ने एवं कॉलेज खोलने की घोषणा

भाजपा प्रत्याशी राहुल लोधी की मांग पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरगापुर में शासकीय कॉलेज खोलने एवं पूरे विधानसभा क्षेत्र में 10 सीएम राइज स्कूल खोलने की घोषणा की है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जिले के तालाबों को केन बेतवा परियोजना एवं सुजारा बांध से जोड़कर नदी के पानी से उन्हें भरा जाएगा ताकि सूखे के हालात में भी किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सके। कार्यक्रम के दौरान टीकमगढ़ लोकसभा सांसद व केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष अमित नुना, राहुल सिंह लोधी, जिला पंचायत अध्यक्ष उमिता सिंह लोधी, खरगापुर नगर परिषद अध्यक्ष सहित स्थानीय नेता एवं भारी संख्या में आम जन उपस्थित रहे।

छोटे-छोटे बच्चों के हाथ में मामा धन्यवाद लिखीं दफितयां

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की चुनाव भी सभा का रंग छोटे-छोटे मासूम बच्चों में भी दिखाई दिया है। मासूम बच्चों के तन पर कपड़े तो थे नहीं लेकिन भाजपा की तौलिया और दफती पर लिखा धन्यवाद मामा जी को लेकर घूमते नजर आए। इससे लगता है कि अब चुनावी रंग चढ़ता जा रहा है।

नाराज नेताओं को मनाने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन प्रभारी ने सौंपे दायित्व

पूर्व विधायक अजय जिताएंगे खरगापुर, संजय को प्रदेश सचिव का दायित्व

टीकमगढ़, देशबन्धु। कांग्रेस के संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने जिले के दो कांग्रेसी नेताओं को नाराजगी दूर करने के प्रयासों के तहत टीकमगढ़ विधानसभा से टिकट की मांग कर रहे पूर्व विधायक अजय यादव को खरगापुर विधानसभा का चुनाव प्रभारी नियुक्त कर दिया है। इसके अलावा जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री व पूर्व पार्षद संजय नायक को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। श्री नायक अपनी पत्नी सुषमा नायक को नगर पालिका अध्यक्ष नहीं बनाए जाने से नाराज चल रहे थे। दोनों कांग्रेसी नेताओं को मनाने के लिए संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने पत्र जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की अनुशंसा पर यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। पदोन्नति हो जाने के बाद



प्रदेश सचिव बनाए गए संजय नायक ने कांग्रेस प्रत्याशी यादवेंद्र सिंह बुंदेला के साथ जनसंपर्क शुरू कर दिया

भाजपा प्रत्याशी राकेश गिरी एवं पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमति लक्ष्मी गिरि ने किया जनसंपर्क



टीकमगढ़, देशबन्धु। विधानसभा क्षेत्र 43 टीकमगढ़ से भाजपा प्रत्याशी राकेश गिरी ने भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ ग्राम पंचायत मवाई में जनसंपर्क कर कर भाजपा के पक्ष में मतदान कर भारी बहुमत से जिताने की अपील की। इसके अलावा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति लक्ष्मी गिरि गोस्वामी ने भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं के साथ टीकमगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पातरखेरा, श्यामपुरा, पोटाया, राधापुर में घर-घर पहुंचकर आगामी मतदान दिनांक 17/11/2023 को भाजपा के समर्थन में मतदान करने की अपील करते हुए भाजपा के पक्ष में आशीर्वाद मांगा और टीकमगढ़ विधानसभा में एक बार फिर कमल खिलाकर भाजपा को प्रचंड बहुमत से जीत दिलाने की अपील की।

उम्मीदवारों को 30 दिन में देना होगा चुनाव खर्च का विवरण

टीकमगढ़, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव खर्च की सीमा 40 लाख रुपये निर्धारित की गई है। प्रत्येक उम्मीदवार को नामांकन पत्र भरने के पूर्व एक बैंक खाता खोलकर उनकी जानकारी नामांकन पत्र के साथ उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इसी बैंक खाते के माध्यम से उम्मीदवार चुनाव संबंधी सभी तरह के व्यय कर सकेंगे। उम्मीदवारों को चुनाव परिणामों की घोषणा के 30 दिन के भीतर चुनाव खर्च का पूरा विवरण निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। निर्वाचन आयोग द्वारा उम्मीदवारों के चुनाव खर्च की विभिन्न माध्यमों से निगरानी की जा रही है। उम्मीदवार निर्धारित प्रपत्र में व्यय लेखा दल को निर्धारित समय सीमा में चुनाव खर्च का पूरा विवरण अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएंगे।

अस्थाई कार्यालय में एक झण्डा और एक बैनर ही लगा सकेंगे उम्मीदवार

टीकमगढ़, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के मुताबिक चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान स्थानीय स्तर पर खोले जाने वाले अस्थाई कार्यालय में केवल एक झण्डा और 4 गुना 8 फीट के आकार का एक बैनर ही लगा सकेंगे। अभ्यर्थियों को ऐसे अस्थाई कार्यालय खोलने के पहले विधिवत अनुमति भी प्राप्त करनी होगी। निर्वाचन आयोग के मुताबिक अभ्यर्थियों को अस्थाई कार्यालय की अनुमति इस आधार पर दी जा सकेगी कि ऐसा कार्यालय सार्वजनिक या निजी सम्पत्ति पर अतिक्रमण कर नहीं खोला जायेगा। अस्थाई कार्यालय किसी भी धार्मिक स्थान या धार्मिक स्थल के परिसर तथा शैक्षणिक संस्थान और अस्पतालों में भी नहीं खोला जा सकेगा। उम्मीदवार अपना अस्थाई कार्यालय मौजूदा मतदान केंद्रों से 200 मीटर के दायरे में भी नहीं खोल सकेंगे। निर्वाचन आयोग के मुताबिक अस्थाई कार्यालय में लगाये जाने वाले झण्डे और बैनर में अभ्यर्थी केवल पार्टी का प्रतीक अथवा फोटोग्राफ ही लगा सकेंगे।

10 साल से फरार 5 हजार रुपए का इनामी स्थाई वारंटी गिरफ्तार



टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी द्वारा अवैध शराब, जुआ, सट्टा, अवैध हथियार, अवैध मादक पदार्थ, गुंडा बंदमाशों एवं इनामी, स्थाई वारंटियों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सासत्या, एसडीओपी टीकमगढ़ राहुल कटरे के मार्गदर्शन में थाना खरगापुर पुलिस द्वारा वर्ष 2013 के प्रकरण में जारी स्थाई वारंटी सोहिल पिता अब्दुल

रहमान मुसलमान निवासी बरुआ सागर जिला झांसी उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया गया है। उक्त आरोपी के ऊपर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उक्त फरार स्थाई इनामी वारंटी को जिला झांसी से गिरफ्तार करके माननीय न्यायालय में पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश शाक्य, उप निरीक्षक शहीद खान, आरक्षक 30 गौरीशंकर, आरक्षक 599 अभिषेक साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

निर्वाचन गतिविधियों पर नजर रखेंगे निर्वाचन आयोग द्वारा नामांकित सामान्य प्रेक्षक

टीकमगढ़, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत निर्वाचन गतिविधियों पर नजर रखने के लिये टीकमगढ़, खरगापुर तथा जतारा विधानसभा क्षेत्रों के लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नामांकित सामान्य प्रेक्षकों का आगमन जिले में हो चुका है। तदनुसार आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र-43 टीकमगढ़ तथा विधानसभा क्षेत्र-47 खरगापुर के लिये नियुक्त प्रेक्षक डॉ. शर्मिला मेरी जोसिफ (आईएस) टीकमगढ़ आ चुकी हैं। प्रेक्षक डॉ. जोसिफ का मोबाइल नंबर 7471195794 एवं लेड लाईन नम्बर 07683-242700 तथा इनका कार्यालय/विश्राम स्थल सर्किट हाउस टीकमगढ़ है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र-44 जतारा के लिये नियुक्त प्रेक्षक रायनिहतितांग रापथाप (आईएस) टीकमगढ़ आ चुके हैं। प्रेक्षक रापथाप का मोबाइल नंबर 9301866804 है तथा इनका कार्यालय/विश्राम स्थल सर्किट हाउस टीकमगढ़ है। प्रेक्षक रापथाप से निर्वाचन के सम्बंध में शाम 6:30 बजे से 8:30 बजे तक मिल सकते हैं। इनके साथ प्रशांत तिवारी तथा दीपक कुमार को लॉजजर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पुलिस और सशस्त्र जवानों ने निकाला प्लेग मार्च



टीकमगढ़, देशबन्धु। आचार संहिता के तहत टीकमगढ़ जिले में शांतिपूर्ण मतदान कराने हेतु पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सासत्या एवं एसडीओपी टीकमगढ़ राहुल कटरे एवं उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे क्षेत्रों में परिया डोमिनेशन हेतु टीकमगढ़ पुलिस एवं सीआईएसएफके सशस्त्र जवानों की संयुक्त टीम के द्वारा देहात थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार के नेतृत्व में ग्राम बड़ागांव खुर्द, नरगुड़ा, धजर्स, दुर्गापुर, कांटी खास, बंधियन, हीरानगर बावरी, शिवराजपुर, अनंतपुरा एवं नगर परिषद कारी में प्रभावी प्लेग मार्च कर लोगों को मतदान करने हेतु प्रेरित कर विश्वास पर्वी, रेड कार्ड, यलो कार्ड एवं ग्रीन कार्ड वितरित किए गए एवं निर्भीक होकर मतदान करने को बताया गया।

स्कूल जा रहीं छात्राएं ट्रक की टक्कर लगने से घायल

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बम्होरी में स्कूल जा रही दो छात्राओं को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इस घटना में दोनों छात्राएं घायल हो गईं। उपचार के बाद छात्रा ने परिजनों के साथ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 नवंबर को सुबह करीब 11 बजे छात्राएं नर्मदा अहिरवार व प्रतीक्षा अहिरवार अपने गांव टौरिया शुक्लान से ग्राम बम्होरी के शासकीय स्कूल जा रही थीं। यह छात्राएं बम्होरी के लक्ष्मणजी मंदिर के पास पहुंची तो एक ट्रक के चालक ने ट्रक को तेज गति व लापरवाही से चलाते हुए बगल से दोनों छात्राओं को टक्कर मार दी थी। इस घटना में कक्षा 11वीं की छात्राएं कुमारी नर्मदा अहिरवार व प्रतीक्षा अहिरवार निवासी टौरिया शुक्लान घायल हो गई थी। ट्रक का नम्बर यूपी 92 टी 8076 था। ट्रक का चालक ट्रक को मोके से लेकर भाग गया था। छात्राओं के परिजन दोनों को उपचार के लिए अस्पताल ले गए। उपचार कराने के बाद छात्रा की रिपोर्ट पर पुलिस ट्रक के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

निरस्त काम का फर्जी मस्टर डालकर हड़पी शासकीय राशि कागजों में कर दिया सामुदायिक नाडेप निर्माण



अवधेश वर्मा
टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले की ग्राम पंचायतों में किस कदर भ्रष्टाचार सिर चढ़कर बोल रहा है, इसका जीता जागता उदाहरण बल्लेवाड़ जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सुजानपुरा का मामला सामने आया है। तत्कालीन सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक की मिलीभगत से पोकलेन मशीन से सीटीआर चैकडेम निर्माण नौव की खुदाई का वीडियो बनाकर ग्रामीणों ने जनपद सीईओ से डेढ़ साल पहले शिकायत किए जाने पर जांच दल ने जांच प्रतिवेदन में चैकडेम निर्माण कार्य को निरस्त कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि बल्लेवाड़ विकासखंड अंतर्गत सुजानपुरा, राजनगर के किसानों की करीब 1 हजार एकड़ भूमि पर नवीन तालाब निर्माण कार्य 16 करोड़ 82 लाख से स्वीकृत हुआ था, जिसमें ग्राम पंचायत सुजानपुरा में वित्तीय वर्ष 2021-

2022 में सीटीआर चैकडेम निर्माण कार्य शंकरिया घाट पर 11 लाख 14 हजार की राशि से स्वीकृत कराया गया।
सुजानपुरा ग्राम पंचायत के तत्कालीन सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक ने किया कारनामा
तत्कालीन श्रीमती सरपंच पार्वती यादव, सचिव बालकिशन यादव, रोजगार सहायक महेश कुमार जैन की मिलीभगत से शंकरिया घाट पर पोकलेन मशीन से सीटीआर चैकडेम निर्माण नौव की खुदाई का वीडियो ग्रामीणों ने बनाकर बल्लेवाड़ जनपद सीईओ प्रभाकराज घनघोरिया से डेढ़ साल पहले शिकायत की गई। ग्रामीणों की शिकायत पर बल्लेवाड़

जनपद सीईओ प्रभाकराज घनघोरिया द्वारा जांच टीम गठित की गई। जांच टीम में सहायक यंत्री रोहित सगारिया, एपीओ योगेश समाधिया, उपयंत्री प्रमोद कुमार साहू ने मौके पर जाकर जांच कर पंचनामा तैयार किया गया। जिसमें शंकरिया घाट पर पोकलेन मशीन से सीटीआर चैकडेम निर्माण कार्य को जांच प्रतिवेदन निर्माण कार्य को निरस्त किया गया। इस मामले में ग्रामीणों का कहना है कि नवीन तालाब के भराव क्षेत्र में चैकडेम निर्माण कार्य को पोकलेन मशीन से नौव की खुदाई कर वीडियो बनाकर जनपद सीईओ से शिकायत की गई, जिसमें जांच टीम द्वारा शंकरिया घाट पर चैकडेम निर्माण कार्य निरस्त करने के वावजूद भी तत्कालीन सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक की मिलीभगत के चलते फर्जी मस्टर डालकर 1 लाख 14 हजार रुपए की राशि निकालकर बंदरबाट कर लिया है।

टीकमगढ़, देशबन्धु। बल्लेवाड़ जनपद अंतर्गत अधिकांश ग्राम पंचायतों में गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य कराने या फिर धरातल से गायब और कागजों में ही निर्माण कार्य दिखाकर सरकारी राशि का बंदरबाट किया जा रहा है। आपको बता दें कि ग्राम पंचायत कोटरा में लाखों की लागत से बनाए गए नाडेप निर्माण कार्य कागजों में ही निर्माण कार्य दिखाकर राशि निकालकर बंदरबाट कर ली गई है। इस बारे में पंचायत से लेकर जनपद के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों को जानकारी होने के वावजूद भी मूक दर्शक बने हुए हैं। गौरतलब है कि जनपद की ग्राम पंचायत कोटरा में वित्तीय वर्ष 2021-2022 में 1 लाख की लागत से आगनवाड़ी (अ) केंद्र के पास स्वीकृत सामुदायिक नाडेप निर्माण में ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती मनीषा यादव, सचिव देवेन्द्र कुमार तिवारी की मिलीभगत से सामुदायिक नाडेप निर्माण की एक लाख रुपए निकालकर कागजों ही इसका निर्माण कराकर राशि बंदरबाट कर ली है। इसकी वजह सब कुछ डिजिटल होने के वावजूद भी कमीशनखोरी खत्म होने के बजाय तेजी से बढ़ती जा रही है।

2 घंटा बिलंब से पहुंचे मुख्यमंत्री

21 मिनट के भाषण में विस्तार से दी लाइली लक्ष्मी योजना की जानकारी



दमोह, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज गौरीशंकर मन्दिर दवा कला मंच में आयोजित भाजपा की चुनावी सभा को संबोधित किया। श्री चौहान यहां तकरीबन 2 घंटे के बिलंब से पहुंचे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान, इसके पहले यहां केन्द्रीय विद्यालय के सामने बने हेलीपैड पर उतरे। हेलीकॉप्टर से उनके साथ बटियागढ़ से पूर्व कृषि मंत्री डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया और भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीतम लोधी भी आए। इसके बाद वह काफिले के साथ 3 किलोमीटर दूर स्थित सभा स्थल पहुंचे। सभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने 21 मिनट तक

सिर्फ लाइली बहाना योजना पर बोला। इसके अलावा अन्य योजनाओं के बारे में उल्लेख किया। साथ ही 100 रुपये मासिक बिजली, हर घर नल से पानी देने का वादा किया। उनके धारा प्रवाह भाषण में मध्य प्रदेश के प्रत्येक परिवार में एक व्यक्ति को किसी ना किसी तरह का रोजगार देने का वादा विशेष रूप से चर्चित हुआ।

उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रदेश के ग्रामों से पलायन की समस्या को सबसे गंभीर समस्या बताते हुए इसके उन्मूलन की बात कही। उन्होंने फिर से भाजपा सरकार बनाने का संकल्प दिलाते हुए दोनों हाथ ऊपर



उठाकर भारत माता का जयकारा लगाया, कार्यक्रम के दौरान निर्दलीय पापंद दीपक जैन मड़ियादो के जिला पंचायत सदस्य अधिषेक जैन सहित 200 कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली, मुख्यमंत्री ने सभी का भाजपा में स्वागत किया इसके पूर्व ददांमच पर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने 5 कन्याओं का पूजन किया दीप प्रचलन किया। कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों को भीड़ भरे मंच पर अपरातपरी के बीच मंच पर सैकड़ों भाजपा नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हटा में सभा के दौरान मुख्यमंत्री का

विरोध: चुनावी सभा के पहले हेलीपैड के पास पुरेना के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के सामने ही रोड नहीं तो वोट नहीं के नारे लगाकर अपना विरोध दर्ज किया। यहां बता दें कि पिछले वर्षों से लगातार सड़क की मांग ग्रामीण कर रहे हैं।

यहां बता दें कि प्रतिदिन की भांति फोरलेने पर दोनों ओर वाहनों की अवैध पार्किंग होने से निकलने वाले राहगीरों एवं वाहनों को दिक्कत का सामना करना पड़ता है लेकिन मुख्यमंत्री के आगमन के पूर्व प्रशासन को इन वाहनों को हटवाने के लिए भारी मशकत करनी पड़ी।

प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी को लोक स्वास्थ्य विभाग से अलग करने को लेकर सौंपा ज्ञापन

दमोह देशबन्धु। भारतीय सफाई मजदूर संघ द्वारा प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी को लोक स्वास्थ्य विभाग से अलग करने को लेकर मुख्य नगरपालिका के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि नियुक्त प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी जितेंद्र कुमार राय के द्वारा निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की उपस्थिति नहीं हो पाती है। जिसका कारण घर से लेकर कार्य स्थल तक नगर पालिका द्वारा कोई सुविधा नहीं दी गई है। कर्मचारी

अपनी ड्यूटी पर 10 मिनट से 20 मिनट तक लेट हो जाता है। उस अवधि में अनुपस्थिति दर्ज की जा रही है। जो कि नगर पालिका सफाई कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा। पूर्व में ऐसी स्थिति नहीं बनी कई अधिकारी आये और चले गये परंतु कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया गया न ही उनके वेतन से खिलवाड़ किया गया परंतु वर्तमान में प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी के साथ कर्मचारियों

को प्रताड़ित किया जा रहा है। जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। कर्मचारियों का कहना है कि प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी जितेंद्र राय को सफाई विभाग से नहीं हटाया जाता है तो मजबूर होकर संपूर्ण कामबंद कर आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिये बाध्य होना पड़ेगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी नगर पालिका प्रशासन जिला प्रशासन एवं निर्वाचन प्रशासन की होगी।

भाजपा प्रत्याशी मलैया कर रहे सघन जनसंपर्क

दमोह देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के दमोह विधानसभा प्रत्याशी जयंत मलैया सघन जनसंपर्क और बैठकों के माध्यम से संपूर्ण विधानसभा में भ्रमण कर जनता का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। 3 नवंबर को भारतीय जनता पार्टी दमोह विधानसभा प्रत्याशी जयंत मलैया ने ग्राम खामखंडा, सेमरपटी, डिमासर, मुड़िया, कुआखेड़ा, बरी, महंतपुर, पालर, भौदलखेड़ी में सघन जनसम्पर्क एवं बैठक की। ग्राम बरी में पुराने साथी कार्यकर्ता अमोल पटेल की पत्नी के दुखद निधन पर शोकाकुल परिवार में शोक संवेदना व्यक्त की। जनसंपर्क में जयंत मलैया के साथ भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ एवं युवा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।



नुकड़ नाटक से मतदाता जागरूकता का दिया संदेश

दमोह देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 17 नवम्बर 2023 हेतु मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से दमोह विधानसभा के विभिन्न गांवों के मतदान केंद्रों पर डिप्टी कलेक्टर ब्रजेश सिंह के साथ स्वीप समिति के सदस्यों द्वारा ग्राम चौपाल में नुकड़ नाटक की मंडली के मध्यम से गांव-गांव पहुंचकर मतदाताओं को जागरूक करने का संदेश बुंदेली गीत, राई, नुकड़ नाटक के माध्यम से दिया। जिसके अंतर्गत ग्राम चौपाल ग्राम आनू, बांदकपुर, सलैया, अरोरा, मराहार आदि विभिन्न गांवों के ग्रामीण जनों को जागरूक किया गया। जिसमें 80 वर्ष से अधिक आयु वाले वृद्ध जनों एवं दिव्यांग मतदाताओं से मतदान करने हेतु आग्रह किया गया। ग्राम चौपाल में स्कूल के छात्रों को लोकतंत्र एवं मतदाता जागरूकता के नारे लगावाए गए। इस कार्यक्रम में स्वीप समिति सदस्य एनएसएस



जिला संगठक डॉ. जितेंद्र कुमार चौधरी, सिद्धार्थ मों राम लाल कठिन सहित अन्य कलाकार जाउरकर, सौरभ खरे, नाटक मंडली के कलाकारों मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन ने किया जनसंपर्क

दमोह देशबन्धु। कांग्रेस पार्टी के सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन नगर भ्रमण के दरम्यान नयाबाजार 2,3,4 का सघन जनसंपर्क करते हुए कांग्रेस पार्टी के पक्ष में मतदान करने की बात कही जनसंपर्क करते समय बुजुर्गों और नौजवानों खासकर बालिकाओं ने कहा कि विधायक कौशल प्रशिक्षण केन्द्र खुलने पर उन्हें आत्मनिर्भर बनने का मौका मिला साथ ही कुछ सीखने को मिला। विधायक अजय टंडन ने वार्डवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें अभी कम समय मिला था उसमें वह जो कर सकते थे उन्हें आमजन के लिये किया और उनका दमोह नगर के लिये प्रयास रहेगा कि मूलभूत व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाये। इस अवसर पर उनके साथ प्रदेश महामंत्री मनु मिश्रा, प्रयाग शर्मा, पप्पू कसोटिया, संजय सेठ, प्रफुल्ल श्रीवास्तव सहित अनेक कांग्रेसजनों की उपस्थिति रही।



कन्या विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दमोह देशबन्धु। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत प्रिंसिपल जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष रेणुका कंचन के निर्देश एवं जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमृत्यु पाण्डेय के मार्गदर्शन में शासकीय केशोराम पाण्डे उ.मा. कन्या विद्यालय में तस्करी एवं वाणिज्यिक यौन शोषण, पॉक्सो एक्ट तथा एफसड अटैक से पीड़ितों को विधिक सहायता के संबंध में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें द्वितीय जिला न्यायाधीश रजनी प्रकाश बाथम, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरीसिया, शिक्षकगण एवं छात्राये उपस्थित रहें। आयोजित



कार्यक्रम में द्वितीय जिला न्यायाधीश रजनी प्रकाश बाथम ने उपस्थित छात्राओं को बताया कि बच्चों के साथ होने वाले लैंगिक अपराधों के संबंध में पॉक्सो कानून लागू किया गया है, जिसमें बच्चों के सर्वोत्तम हितों का विशेष ध्यान रखा गया है

इसके अंतर्गत पीड़ित बच्चे से पूछताछ करने, साक्ष्य देने हेतु सौहार्दपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि आपके साथ किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना हो तो तत्काल पुलिस को सूचना दे। इसके साथ ही उन्होंने इंटरनेट, सोशल मीडिया के प्रयोग में अपनाई जाने वाली सावधानी, चाईल्ड हेल्पलाइन, साईबर क्राइम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरीसिया ने बच्चों को मैत्रिपूर्ण विधिक सहायता, मूल कर्तव्य, पीड़ित प्रतिकर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रेमलता उपाध्याय द्वारा किया गया।

3 अपराधी जिला बंदर घोषित

पन्ना, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट हरजिंदर सिंह ने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर तीन अपराधियों को तीन-तीन माह के लिए जिला बंदर घोषित किया है। इनमें ग्राम एवं थाना सिमरिया निवासी रवि गुप्ता, ग्राम हीरापुर थाना सिमरिया निवासी अंकित पाठक और ग्राम बराख थाना कोतवाली निवासी रामप्रताप उर्फ बड़े बेटा पटेल शामिल हैं। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा राज्य सुरक्षा अधिनियम की धाराओं में अपराधियों के जिला बंदर की कार्यवाही की गई है। अपराधी को आदेश तामीली दिनांक से 5 घण्टे के भीतर पन्ना जिले की राजस्व सीमा सहित समीपवर्ती दमोह, छतरपुर, सतना, कटनी, मैहर और उत्तर प्रदेश के बांदा एवं चित्रकूट जिले की सीमाओं से बाहर रहने का निष्कासन आदेश पारित किया गया है। जिले के किसी न्यायालय अथवा दाण्डिक न्यायालय में पेशी पर उपस्थित होने के लिए अपराधी को संबंधित थाना प्रभारी को लिखित सूचना देनी होगी। आदेश के उल्लंघन पर अपराधी को विरूद्ध मंत्र राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 14 एवं 15 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

आरोपियों 1-1 साल का कारावास

पन्ना, देशबन्धु, देशबन्धु। जिला लोक अभियोजन अधिकारी पन्ना के मीडिया प्रभारी सहा. जि. लोक अधि. अधि. ऋषिकान्त द्विवेदी के बताये अनुसार घटना संक्षेप में इस प्रकार है कि फरियादी ने 17 अगस्त 2017 को थाना बृजपुर में इस आधार की सूचना दी कि वह ग्राम पुखरा का रहने वाला है। कृषि कार्य करता है। लगभग एक सप्ताह पूर्व गांव के गोला केवट ने उसकी भैंस को कुल्हाड़ी से मार दिया था जिससे उसकी पूंछ कट गयी थी तथा भैंस का बच्चा पेट में ही मर गया था जिसको उसने गांव में बताया था। इस बात को लेकर वह और उसके परिवार के लोग उसके परिवार से बुराई मानते थे। रात करीब 09 बजे को बात है। वह खटिया पर घर के बाहर चबूतरा पर लेटा था तभी गांव का हरिओम केवट, कृपाल केवट, सियाराम केवट, गोला केवट, गुड्डू केवट, नत्थू केवट, बच्चू केवट व पूरन गोड लारी, डंडा व कुल्हाड़ी लेकर इकट्ठा होकर आये मां बहन की गंदी-गंदी गालियां देने लगे। गाली गालीच व हल्ला सुनकर उसका भाई रामअवतार व चचेरा भाई बालक दास आ गए और

उन लोगों ने गालियां देने से मना किया तो कृपाल ने कुल्हाड़ी से सिर में मुदानी तरफ से मारा, हरिओम केवट व सियाराम केवट ने लाठी, डंडों से मारा जो उसके हाथों व कूल्हे में लगे। उसके बाद गुड्डू केवट, नत्थू केवट, बच्चू केवट व पूरन गोड ने रामअवतार तथा बालकदास की भी लाठी डंडा तथा कुल्हाड़ी से मारपीट की थी। रामअवतार को सिर व दोनों हाथ पैरों व सीने में तथा बालकदास के सिर तथा दाहिनी पीठ, घुटना में चोटें आयी थीं। वहां पर नत्थू पटेल व उसकी मां थीं जिन्होंने देखा है।

आरोपीगण जाते हुए बोल रहे थे कि अबकी बार जान से ही मार डालेंगे। अभियोजन द्वारा साक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके से लेखबद्ध कराकर न्यायालय के समक्ष आरोपीगण रामकृपाल, सियाराम, गोला केवट, रमेश उर्फ गुड्डू केवट, हरिओम केवट, नत्थू केवट, बच्चू केवट, पूरन गोड के विरूद्ध अपराध को संदेह से परे प्रमाणित किया उक्त सभी आरोपीयो को न्यायाधीश शिवराज गवली की न्यायालय के द्वारा एक-एक वर्ष के कारावास से दण्डित किया है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचन प्रसारकों के लिए दिशा निर्देश

पन्ना, देशबन्धु। निर्वाचन प्रसारकों के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुसार निर्वाचक प्रसारकों को हिसा, वस्तुनिष्ठ और पूरी जानकारी उपलब्ध कराना, जिससे नागरिकों को उनके द्वारा विवेकपूर्ण चयन की संभावना हो, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की मूलभूत आवश्यकता है। आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों में कहा गया है कि समाचारों का प्रसारण और सामयिक घटनाओं के मामले एवं न्यूज चैनल पर चुनाव संबंधित विषयों पर सामग्री निष्पक्ष और संतुलित हो अर्थात् यह वस्तुनिष्ठ, सटीक और यथासंभव जांची-परखी गयी हो। समाचार प्रसारकों को प्रयास करना चाहिए कि वे जनता को चुनाव संबंधित मामलों, राजनैतिक दलों, उम्मीदवारों, प्रचार-प्रसार और मतदान प्रक्रियाओं के बारे में निष्पक्ष रूप से सूचित करें, जैसा कि लोकमत प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951, और भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित किया गया है। समाचार चैनलों को किसी भी राजनीतिक पक्ष या उम्मीदवार के प्रति कोई भी संबंधीकरण नहीं प्रकट करना चाहिए। जब तक कि समाचार प्रसारकों ने किसी विशेष दल या उम्मीदवार का समर्थन सार्वजनिक रूप से नहीं किया हो या उनसे संबंध स्वीकार नहीं किया हो, उनका कर्तव्य है कि वह संतुलित और निष्पक्ष रहें, विशेषकर चुनाव से संबंधित रिपोर्टिंग में। समाचार प्रसारकों को अपकवाह, आधारहीन संशय एवं दुष्प्रचार से बचने का प्रयास करना चाहिए, विशेषकर किसी विशिष्ट

राजनीतिक पार्टी या उम्मीदवारों से संबंधित हों। किसी भी उम्मीदवार, राजनीतिक पार्टी को, जिसका गलत प्रस्तुतिकरण, भ्रम या अन्य हानि पहुंची हो, बॉक्सकस्ट जानकारी के प्रसारण द्वारा त्वरित सुधार दिया जाना चाहिए और जरूरत अनुसार उन्हें जवाब का अवसर देना चाहिए। समाचार प्रसारकों को चुनाव संबंधित मामलों की कवरेज पर प्रभाव डाल सकने वाले सभी राजनीतिक और वित्तीय दबावों का सामना करना चाहिए।

समाचार प्रसारकों को अपने समाचार चैनलों पर प्रकाशित संपादकीय और विशेषज्ञ राय के बीच स्पष्ट भिन्नता बनाए रखना चाहिए। चुनाव और चुनाव संबंधित मामलों से संबंधित में घटनाओं, तारीखों, स्थानों और उद्धरणों से समाचार, कार्यक्रम के हर तत्व संबंधित सभी तथ्यों में सटीकता हो। गलत जानकारी का गलती से या अनजाने में प्रसारण होता है, तो प्रसारक को उसे जल्दी से जल्दी सुधारना चाहिए और उसी प्रमुखता के साथ इसे सही करना चाहिए, जैसे मूल प्रकरण को प्रसारित किया गया था। समाचार प्रसारकों, उनके पत्रकारों और अधिकारियों को कोई भी धन या मूल्यवान उपहार या कोई भी अनुग्रह करने वाली या अनुग्रह जैसी लगने वाली ऐसी कोई वस्तु स्वीकार नहीं करना चाहिए, जो प्रसारक या उनके कर्मचारियों के व्यक्तिगत हितों को दर्शाता हो अथवा उनकी विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकता है। समाचार में किसी भी प्रकार की नफरत पैदा करने वाले भाषण

या अन्य अप्रिय सामग्री का प्रसारण नहीं करना चाहिए जो हिंसा के प्रोत्साहन या जनता में आक्रोश या अविश्वास को बढ़ावा दे सकती है, जैसा कि साम्प्रदायिक या जातिवाद पर आधारित चुनाव, प्रचार नियमों के तहत प्रतिबंधित है। समाचार प्रसारकों को उन रिपोर्टों से बचना चाहिए जो लोगों के बीच जाति, स्मृदाय, क्षेत्र या भाषा के आधार पर द्वेष या नफरत की भावनाओं को बढ़ावा दे सकती हों। वे सख्ती से समाचार और पेड समाचार प्रसारकों के लिये यह न्यूज के बीच भिन्नता बनाए रखें। सभी भुगतान सामग्री को स्पष्ट रूप से पेड विज्ञापन या पेड सामग्री के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और पेड सामग्री को पेड न्यूज पर नियम और मार्गदर्शिका के अनुसार होना चाहिए।

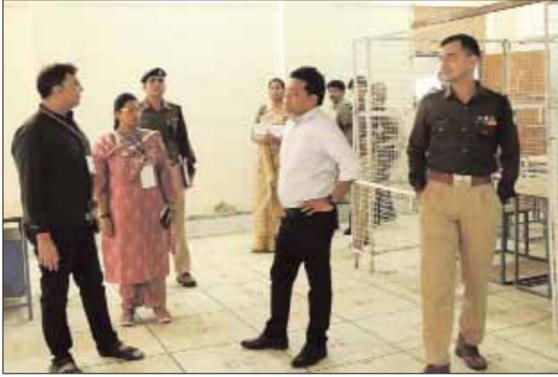
मतदान रूझान ऑपनिथन पोल की रिपोर्ट के बारे में दर्शकों को बताते हुए विशेष सावधानी की आवश्यकता है कि वे मतदान रूझान किसने आयोजित एवं संचालित किया और किसने इसके लिये भुगतान किया। समाचार प्रसारक मतदान रूझान का परिणाम या अन्य चुनाव पूर्वानुमान के परिणामों को प्रसारित करता है, तो उसे इस समाचार प्रसारण के संदर्भ, सीमाएं, सीमाओं के साथ समझना चाहिए। मतदान रूझान के प्रसारण के साथ, दर्शकों को निर्वाचन की उपयोगिता प्रदान करने वाली जानकारी का भी प्रसारण किया जाना चाहिए, जैसे कि सर्वेक्षण की विधिएं, सैम्पल का आकार, त्रुटि की सीमा, क्षेत्र कार्य दिनांक और उपयोग किए गए

डेटा। प्रसारकों को श्रेयोक्रम प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के धारा 126(1)(बी) के तहत मतदान के समापन के निश्चित घंटों के अंत में 48 घंटे तक कोई भी चुनावी प्रकरण, अर्थात् चुनाव के परिणामों पर रूझान को प्रसारित नहीं करना चाहिए। भारतीय निर्वाचन आयोग ईसीआई चुनाव की घोषणा से लेकर चुनाव के परिणामों के निष्कर्ष और घोषणा होने तक समाचार प्रसारकों द्वारा किये गए प्रसारणों की निगरानी करेगा।

चुनाव आयोग द्वारा सदस्य प्रसारकों द्वारा कोई भी उल्लंघन की सूचना होने की रिपोर्ट न्यूज ब्रॉडकास्टिंग मानक प्राधिकरण एनबीएसए को दी जाएगी और इसका नियमानुसार निपटारा किया जाएगा। समाचार प्रसारकों को जहां तक संभव हो, मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया, मतदान की महत्ता, मतदान के तरीके, कब, कहाँ और कैसे मतदान करें, मतदान के लिए पंजीकरण और मतदान की गोपनीयता के बारे में सटीक रूप से सूचित करने के लिए मतदाताओं को शिक्षित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। समाचार प्रसारकों को किसी भी अतिम, स्थायी और निश्चित परिणामों का प्रसारण नहीं करना चाहिए, जब तक ऐसे परिणामों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, जब तक कि इन परिणामों को अधूरे या आंशिक परिणाम या काल्पनिक एवं अंतिम परिणाम के रूप में न लिये जाने चाहिए के स्पष्ट अस्वीकरण के साथ न किए गए हों।

सामान्य प्रेक्षकों ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

इंजीनियरिंग कॉलेज में बने स्ट्रांग रूम और मतगणना स्थल की व्यवस्था देखी, कड़े सुरक्षा इंतजाम करने के निर्देश



सागर, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सागर जिले की आठ विधानसभाओं के लिए नियुक्त किए गए सामान्य प्रेक्षकों गंधम चंद्ररूड, सुनील कुमार यादव, प्रेम

कुमार व्हीआर, अंबामुधन एमपी ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी के साथ स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने इंजीनियरिंग कॉलेज में स्थित आठों विधानसभाओं के लिए बनाए गए स्ट्रांग रूम, मतगणना कक्ष एवं सुरक्षा मानकों का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर दीपक आर्य ने प्रेक्षकों को मतदान सामग्री वितरण, मतदान सामग्री वापसी के मूवमेंट, मतगणना स्थल तक पहुंच मार्ग, बिजली, सुरक्षा संबंधी, विधानसभावार आगमन,

18 से 19 आयु वर्ग के कुल 65 हजार 142 मतदाता देंगे वोट

विधानसभा चुनाव 2023 में 18 से 19 आयु वर्ग के कुल 65 हजार 142 मतदाता वोट करेंगे। इन मतदाताओं में 37 हजार 127 पुरुष ए 28 हजार 14 महिलाएं तथा एक ट्रांसजेंडर शामिल हैं। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 में ऑल युथ मनेज मतदान केंद्र एवं दिव्यांग मतदान केंद्र भी स्थापित किया जा रहे हैं। इसके साथ ही ऑल यूथ मनेज मतदान केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे जहां मतदान केंद्र के सभी मतदान कर्मी 18 से 25 आयु वर्ग के रहेंगे।

वापसी, मतगणना स्ट्रांग रूम की सुरक्षा आदि विभिन्न व्यवस्थाओं एवं तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि यहां सभी व्यवस्थाएं चुनाव आयोग के निर्देशानुसार सुनिश्चित की जाएं और पूरे परिसर की सुरक्षा व्यवस्था के तमाम इंतजाम किये जाएं।

बुलेरो से 8 पेटियां शराब जप्त, दो आरोपी गिरफ्तार



सागर, देशबन्धु। जिले में अवैध शराब की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी द्वारा दिये गये उक्त निर्देशों के अनुक्रमों में अधिक सक्रियता के साथ मुखबिर तंत्र को मजबूत कर अवैध शराब की कार्यवाही की जा रही है। इसी अनुक्रम में थाना केसली में अति. पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी देवरी के मार्गदर्शन में शुक्रवार को थाना केसली पुलिस द्वारा ग्राम कुकवारा में पुल के पास एक सफेद रंग की बुलेरो गाड़ी क्रमांक एमपी 15 ए 4315 खड़ी दिखी जो हमराह स्टाफ एवं गवाहान के गाड़ी के पास जाकर देखा जो पुलिस की गाड़ी को देखकर दो व्यक्ति बुलेरो गाड़ी में से उतरकर भागने की कोशिश करने लगे जिन्हें हमराह स्टाफ एवं गवाहान की मदद से घेराबंदी कर पकड़ा नाम पता पूछा जिन्होंने अपना नाम महेश पिता गिरजा प्रसाद यादव उम्र 45 साल निवासी वार्ड क्र. 5 केसली, लखन पिता रामचरण लोधी उम्र 34 साल निवासी ग्राम गंगवारा थाना गौरझामर का होना बताया उक्त बुलेरो गाड़ी की तलाशी ली गयी जिसमें साठ रंग का 8 पेटियां रखी पायी गयी जो खाकी रंग की पेटियों को खोल कर चेक किया जो प्रत्येक

पेटियों में 50-50 पाव देशी लाल मसाला के कुल 400 पाव रखे मिले उक्त व्यक्तियों से शराब रखने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गये जिन्होंने कोई दस्तावेज पेश नहीं किये न कोई वैध दस्तावेज का होना बताया जो उक्त व्यक्तियों का कृत्य धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत दण्डनीय पाये जाने से आरोपीयान महेश पिता गिरजा प्रसाद यादव उम्र 45 साल निवासी वार्ड क्र. 5 केसली, लखन पिता रामचरण लोधी उम्र 34 साल निवासी ग्राम गंगवारा थाना गौरझामर के कब्जे से कुल 400 पाव लाल मसाला शराब प्रत्येक पाव में 180 एमएल शराब भरी हुयी सीलबंद स्थिति में कुल 72 लीटर कीमती करीबन 40000 रूपये की एवं सफेद रंग की बुलेरो गाड़ी क्रमांक एमपी 15 ए 4315 कीमती करीबन 4 लाख रूपये की होगी, उपस्थित गवाहान के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया आरोपीयान उक्त को गिरफ्तारी का कारण बताते हुये विधीवत गिरफ्तार किया गया। अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तारशुदा आरोपियों को न्यायालय केसली पेश किया गया। उक्त संपूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक अजय कुमार, उपनिरी राजाराम धुर्वे, प्र.आर. मो. अहफाज, आर. राकेन्द्र, नीलेश, साकेत, पवन, म.आर. 1224 रागिनी की सराहनीय भूमिका रही।

बंसल हॉस्पिटल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर हुआ आयोजन



सागर, देशबन्धु। बंसल हॉस्पिटल सागर द्वारा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मकरोनिया ब्रांच में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 3 नवंबर किया गया। जिसमें बंसल हॉस्पिटल सागर के डॉक्टरों द्वारा सभी बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बैंक के पेंसनर्स व खाताधारियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में लगभग 25 अधिकारियों, कर्मचारियों एवं 50 पेंसनर्स, खाताधारियों का परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम में मुख्यअतिथि संजय राजपूत बैंक मैनेजर मकरोनिया ब्रांच रहे। शिविर में बैंक स्टाफ एवं बंसल हॉस्पिटल के स्टाफ ने विशेष योगदान दिया।

जिले की आठ विधानसभाओं में 192 सेक्टरों के 2 हजार 118 मतदान केंद्रों पर उल्लेख

सागर, देशबन्धु। नवंबर माह की 17 तारीख को होने वाले विधानसभा निर्वाचन 2023 में सागर जिले की आठ विधानसभा में बने 192 सेक्टर के 2 हजार 118 मतदान केंद्रों पर वोट डाले जाएंगे। आठ विधानसभाओं में 35.बीना में 19 सेक्टर, 36.खुरई में 24 सेक्टर, 37.सुरखी में 26 सेक्टर, 38.देवरी में 23 सेक्टर, 39.रहली में 29 सेक्टर, 40.नरयावली में 23 सेक्टर, 41.सागर में 22 सेक्टर और 42.बंडा में 26 सेक्टर हैं। सभी सेक्टर ऑफिसर उन्हें चिन्हित सेक्टरों में शांतिपूर्वक मतदान कराने के लिए जिम्मेदार हैं।

पुलिस द्वारा अवैध जुआ फड़ पर की बड़ी कार्यवाही



सागर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी द्वारा शहर में चल रही अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सूचना पर त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है जो इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सिन्हा के कुशल निर्देशन में एवं नगर पुलिस अधीक्षक यश बिजौरिया के मार्गदर्शन में थाना गोपालगंज क्षेत्रांतर्गत अब्बू यादव के घर गोपालगंज में अवैध जुआ फड़ चलने की मुखबिर सूचना प्राप्त होने पर सक्षम अधिकारी से सर्च वारंट प्राप्त कर मौके पर जाकर रेंड किया गया जो अब्बू यादव के घर गोपालगंज से आरोपीगण अकील पिता मान खं मुसलमान उम्र 34 साल निवासी तुलसीनगर वार्ड थाना मोतीनगर, हरिओम पिता रामस्वरूप सोनी उम्र 40 साल निवासी चक्राघाट थाना कोतवाली जिला सागर, राजेन्द्र पिता रामगोपाल साँग ठाकुर उम्र 40 साल निवासी एकता कालोनी थाना गोपालगंज, महेंद्र साँग पिता भगवान साँग ठाकुर उम्र 61 साल निवासी ग्राम सताढाना थाना जैसीनगर, विद्या

सागर पिता संतोष धमरोल वाल्मीक निवासी अहमदनगर थाना गोपालगंज, राहुल पिता जगदीश खटीक उम्र 28 साल निवासी कांच मंदिर मछरयाई थाना मोतीनगर, राजू पिता देवीसाँग ठाकुर उम्र 30 साल निवासी श्रीराम नगर थाना गोपालगंज के पास से व फड़ से कुल 180000 रूपये नगद, 08 नग मोबाइल कीमती करीब 77000 रूपये एवं 03 नग मोटर साईकिलें कीमती करीब 195000 रूपये कुल मशरूका की जप्त की गयी है। दो मोटर साईकिल व नगदी रूपये कुल मशरूका कीमती 452000 रूपये जप्त किया गया। आरोपीगण का कृत्य धारा 13 जुआ एक्ट के तहत दण्डनीय पाये जाने से मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्यवाही में पुलिस टीम में निरीक्षक अजय सारवान, उपनिरीक्षक लोकेश पटेल, सडिन बलराम उपाध्याय, सडिन रमेश बंसल, आरक्षक अनुराग वैद्य, आरक्षक प्रदीप गोस्वामी, राहुल पाण्डेय, श्रिवम ठाकुरी, म.आर. विनीता, प्र.आर. चालक चित्तर सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

मैं और मेरा पूरा परिवार आपकी सेवा में हमेशा मौजूद रहता है: गोविंद सिंह राजपूत

सागर, देशबन्धु। मेरा और आपका अभी का नाता नहीं है, वर्षों पुराना है। आपके सुख-दुख में मेरा पूरा परिवार आपके साथ हमेशा खड़ा रहेगा। चुनाव के दौरान कुछ मौकापरस्त लोग जो अभी-अभी आपके सामने नजर आ रहे हैं, उनको आपने पहले कभी देखा नहीं होगा। यह वही लोग हैं, जो एक बार आएंगे और फिर शकल तक नहीं दिखाएंगे। इसलिए आप सभी लोगों को यह तय करना होगा कि आपको विकास कार्यों करने वाली पार्टी को वोट देना है या



भ्रमित व झूठे वादे करने वाली पार्टी को। उन्होंने कहा कि वे भी अच्छे से जानते हैं कि एक बार आपका वोट ले लिया, फिर आपके कभी नहीं दिखाएंगे। जबकि मैं और मेरा पूरा परिवार सुरक्षी विधानसभा की सेवा के लिए आपके समक्ष मौजूद रहता है। यह बात मंत्री व सुरक्षी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह

राजपूत ने जनसंपर्क के दौरान उपस्थित ग्रामीणों से कही। शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने ग्राम मीरखेड़ी, बिल्हाकुआखेड़ा, किटुआ, कोलुआ, ककररुआ बरबट्ट, परासरीत्योदा, सेनपा आदि गांवों में जनसंपर्क करते हुए बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। मतदाताओं से उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के

पक्ष मतदान करने की अपील की। मीरखेड़ी से जनसंपर्क की शुरुआत भगवान के दर्शन के साथ हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत का स्वागत किया। भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेकों योजनाएं चलाई हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में इतिहास रचेंगी। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को रोजगार के प्रशिक्षण मिल रहे हैं और महिलाएं आत्मनिर्भर भी हो गई हैं। जनसंपर्क में श्रेष्ठ भईया, रामकुमार पप्पू तिवारी, मलखान सिंह, रामशरण राय, पंचम सिंह, विनोद ओसवाल, नारायण कुर्मी, गजराज सिंह, महादेव प्रसाद, बलराम, मिट्ट अहिरवार समेत सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मतदानकर्मी जिला मुख्यालय पर डकमत दे सकेंगे 8, 9 एवं 10 को

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन की निर्वाचन प्रक्रिया को संपादित कराने वाले मतदानकर्मीयों, सुरक्षाकर्मी सहित अन्य डकमत पत्र से मतदान कर सकेंगे। जानकारी देते हुए डकमत प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी ने बताया कि जिले की आठों विधानसभाओं के जिला मुख्यालय प्रशिक्षण स्थल पर नवम्बर माह की 8, 9 एवं 10 तारीखों में मतदानकर्मी बनाए गए फेसिलिटी सेक्टरों पर डकमत पत्र से मतदान कर सकेंगे। मतदानकर्मी व अन्य वर्दीधारी जो निर्वाचन प्रक्रिया का संपादन कराने हेतु नियुक्त किए गए हैं वे भी 8, 9, 10 नवम्बर को जिला मुख्यालय पर बनाए गए किसी भी सुविधा कक्ष फेसिलिटी सेक्टर पर मतदान कर मत दे सकेंगे। सभी अधिकारी कर्मचारी अपने साथ अपना ड्यूटी ऑर्डर ईपिक कार्ड की फोटो कॉपी साथ अवश्य लाएं।

अधिवक्ताओं के बीच जाकर भाजपा प्रत्याशी ने किया जनसंपर्क



सागर, देशबन्धु। सागर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी एवं विधायक शैलेंद्र जैन ने न्यायालय परिसर में बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों तथा सम्मानित अधिवक्ताओं, सम्मानित डीडी राइटरों, स्टाम्प वेंडरों से मिलकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए भाजपा प्रत्याशी शैलेंद्र जैन

ने कहा कि यह चुनाव सागर को विकास के शिखर पर ले जाने के संकल्प के साथ हम लड़ रहे हैं। अभी तक विकास का जो सपना हम सभी ने देखा था उसे हमने लगभग पूरा किया है अब नई कल्पना के साथ आपके पुनः आपके समक्ष आया हूँ मुझे पूर्ण विश्वास है कि विगत 15 वर्षों की भांति इस बार भी मुझे आप सभी का भरपूर स्नेह और आशीर्वाद मिलेगा। साथ ही श्री ने कहा कि अधिवक्ता साधियों की मांग पर हमने प्रार्थामिका से परिसर को सुव्यवस्थित करने हेतु स्मार्ट सिटी के माध्यम से विभिन्न कार्य किए हैं आगामी समय में आवश्यकता अनुसार शेष कार्य भी करेंगे। इस दौरान सम्मानित अधिवक्ताओं ने शैलेंद्र जैन को भरपूर आशीर्वाद दिया और पूर्ण समर्थन हेतु आश्वासित किया। जनसंपर्क के दौरान शैलेंद्र जैन ने अधिवक्ताओं के साथ कैरम खेला।

कांग्रेस प्रत्याशी ने विभिन्न वार्डों में जनसंपर्क कर मांगा आशीर्वाद



सागर, देशबन्धु। सागर विधान सभा सीट पर कांग्रेस की प्रत्याशी निधि सुनील जैन को जनता का समर्थन मिल रहा है। शुक्रवार को कांग्रेस प्रत्याशी निधि सुनील जैन ने विधानसभा क्षेत्र के सूबेदार वार्ड, पुरव्याऊटीरी और लक्ष्मीपुरा वार्ड में जनसंपर्क किया। जहां कांग्रेस प्रत्याशी ने आम जनता की समस्याएं सुनी और चुनाव जीतने के बाद उन समस्याओं का निदान करने का भरोसा दिया। कांग्रेस प्रत्याशी निधि सुनील

जैन ने शुक्रवार को सूबेदार वार्ड गोला कुआं से जनसंपर्क आरंभ किया। जो गोपाल मंदिर, भरका, रानीपुरा, पुरानी पुलिस लाइन, पुरव्याऊ, काली तिगड़ा, कदम कुआं, सरस्वती मंदिर, इतवारा बाजार, चंपा बाग, होते हुए वापस सूबेदार वार्ड से अरिहंत बिहार में जनसंपर्क कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विगत 9 वर्ष में सागर नगर पालिक निगम, स्मार्ट सिटी लिमिटेड तथा नगर विधायक द्वारा शहर में किए गए संयुक्त विनाश को ढकने के लिए डामर की सड़क चुनाव की बेला में बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सागर शहर के हजारों आम निवासी आगामी वर्षों में श्वास और आंखों की बीमारी से ग्रस्त हो जाएंगे। क्योंकि स्मार्ट सिटी द्वारा पैदा की गई धूल से उन्हें सांस लेने में परेशानी और धूल आंखों में जाने से आंखों की बीमारी की संभावनाएं हो सकती हैं। जिसका नुकसान आम जनता को ही उठाना पड़ेगा।

विकास के लिए अभी बहुत काम करना बाकी है: भूपेंद्र सिंह

खुरई, देशबन्धु। खुरई की जनता के लिए यह चुनाव सिर्फ हार-जीत का चुनाव नहीं है बल्कि यह जीत का रिकार्ड बनाने का चुनाव है। हमें अपने खुरई विधानसभा क्षेत्र में अभी बहुत से बड़े विकास के काम करना है। तो जीत का रिकार्ड इतना बड़ा होना चाहिए कि दिल्ली और भोपाल तक संदेश जाए। यह बात भाजपा प्रत्याशी व मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह ने छह ग्रामों में नुक़ड़ सभाओं के दौरान कही है। मंत्री भूपेंद्र सिंह ने खुरई के निकट ग्राम खुरा से अपना जनसंपर्क शुरू किया। उन्होंने ग्राम गंधीरिया बुजुर्ग, सिंगपुर, नारधा, गोलनी और बेरखेड़ी ग्रामों में हजारों ग्रामीणजनों से भेंट की। उन्होंने सभी स्थानों पर हेंड माइक से नुक़ड़ सभाओं को संबोधित किया और संबोधन के बाद अपने हमेशा के रूटीन की तरह सभी की समस्याएं और चर्चाएं सुनीं। मंत्री भूपेंद्र सिंह के जनसंपर्क के दौरान उनसे मिलने पूरे के पूरे गांव के लोग उमड़ रहे हैं और सभी का समवेत स्वर है कि आपके लिए हम लोग वोट मांग रहे हैं आप तो बस विकास के कामों पर ध्यान दीजिए। उनके पहुंचने पर सभी ग्राम भगवा रंग और विचारों



से सराबोर नजर आते हैं। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि प्रदेश में सर्वाधिक विकास खुरई का हुआ है। गरीब कल्याण की योजनाएं, किसानों और महिलाओं तक पहुंची हैं जिनके कारण आया परिवर्तन यहां के लोगों के चेहरों पर पढ़ा जा सकता है। पिछले सात सालों में बदल चुकी खुरई को सबसे प्रत्यक्ष देखा और महसूस

सागर, देशबन्धु। सागर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी एवं विधायक शैलेंद्र जैन ने न्यायालय परिसर में बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों तथा सम्मानित अधिवक्ताओं, सम्मानित डीडी राइटरों, स्टाम्प वेंडरों से मिलकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए भाजपा प्रत्याशी शैलेंद्र जैन

ने कहा कि यह चुनाव सागर को विकास के शिखर पर ले जाने के संकल्प के साथ हम लड़ रहे हैं। अभी तक विकास का जो सपना हम सभी ने देखा था उसे हमने लगभग पूरा किया है अब नई कल्पना के साथ आपके पुनः आपके समक्ष आया हूँ मुझे पूर्ण विश्वास है कि विगत 15 वर्षों की भांति इस बार भी मुझे आप सभी का भरपूर स्नेह और आशीर्वाद मिलेगा। साथ ही श्री ने कहा कि अधिवक्ता साधियों की मांग पर हमने प्रार्थामिका से परिसर को सुव्यवस्थित करने हेतु स्मार्ट सिटी के माध्यम से विभिन्न कार्य किए हैं आगामी समय में आवश्यकता अनुसार शेष कार्य भी करेंगे। इस दौरान सम्मानित अधिवक्ताओं ने शैलेंद्र जैन को भरपूर आशीर्वाद दिया और पूर्ण समर्थन हेतु आश्वासित किया। जनसंपर्क के दौरान शैलेंद्र जैन ने अधिवक्ताओं के साथ कैरम खेला।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

मंच से सम्मानित हुए 2 नगर गौरव, 4 पत्रकारश्री, 150 छात्र-छात्राएँ

शाहगढ़, देशबन्धु। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर तहसील प्रेस क्लब मध्यप्रदेश के तत्वाधान में आयोजित 11वां प्रतिभा सम्मान समारोह, पत्रकार सम्मेलन, करियर काउंसलिंग, ज्ञानोदय प्रेस अवार्ड कार्यक्रम नगर भवन शाहगढ़ में जनसंत उपाध्याय मुनि श्री विरंजन सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में संपन्न हुआ। नगर गौरव परम पूज्य आचार्य श्री देवन्दी महाराज की पावन प्रेरणा से स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर, भारतीय स्टेट बैंक शाखा शाहगढ़ के द्वारा प्रायोजक 11 वां प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में करियर काउंसलिंग में डॉ. कृष्ण राव सागर ने विद्यार्थियों को जीवन में सफल कैसे बने के टिप्स दिए।

कार्यक्रम में उपस्थित एक हजार से ज्यादा बच्चों ने इसमें भाग लिया। राव सर ने बच्चों को पढ़ने के लिए एक स्थान निश्चित करना एवं समय पर सोना और सुबह जल्दी उठना, मोबाइल का उपयोग शिक्षाप्रद कार्यों के लिए करना। ऐसे ही अनेक टिप्स बच्चों के लिए दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयकुमार निशांत टीकमगढ़, मुख्य अतिथि डॉ. अजय तिवारी कुलाधिपति स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर, एड. कमलेंद्र जैन राष्ट्रीय मंत्री भारतीय जैन मिलन, विशिष्ट अतिथि डॉ. अमित असाठी ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी, मिथिलेश मिरी गोस्वामी सीएमओ, भगवती प्रसाद शर्मा शाखा प्रबंधक एसबीआई,



अर्चना सिंह नगर पुलिस निरीक्षक, अरुण चंदेरिया क्षेत्रीय अध्यक्ष जैन मिलन, इंजी. महेश जैन पीएचडी सागर, पंकज जैन महर्षि छतरपुर, सुनील जैन, पं. अशोक तिवारी, अजित जैन शिक्षक, भानु जैन, परम सेठ, सुशील अचार्य, मनीष सिंघई मंचासीन रहे। चित्र अनावरण एवं दीप प्रचलन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। मंगलाचरण शिक्षा सेठ सागर स्वागत गीत सम्वत् विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

नगर गौरव से राजेंद्र जैन भोपाल, प्रो. पूरन प्रजापति सागर, पत्रकारश्री से प्रमोद राजपूत सागर, राज पटेरिया छतरपुर, ऋषभ जैन भोपाल, सौरभ अरेले शाहगढ़ एवं

स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय द्वारा पत्रकार गौरव से प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रकाश अदावन, महामंत्री मनीष विद्याधी शास्त्री, वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट से भूपेंद्र नामदेव का सम्मान भी किया गया। तहसील प्रेस समाचार पत्र, छत्रसाल टाइम्स छतरपुर, मतदाता जागरूक अभियान पोस्टर, प्रेस क्लब परिचायिका के विमोचन हुए। डॉ. अजय तिवारी कुलाधिपति ने कहा कि 2012 से आयोजित यह कार्यक्रम 2023 में विशाल एवं सफलतामय आयोजन रहा और छात्र-छात्राओं में यह आयोजन लोकप्रिय है। एड. कमलेंद्र जैन ने कहा कि यह आयोजन जिसमें सभी वर्गों के विद्यार्थियों शामिल होना ही सफल आयोजन है।

कार्यक्रम निर्देशक पं. अशोक तिवारी ने कहा इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को सम्मान के साथ करियर काउंसलिंग के द्वारा मार्गदर्शन भी प्राप्त होता है जो महत्वपूर्ण है। अंत में परम पूज्य उपाध्याय श्री जनसंत विरंजन सागर जी महाराज ने कहा की सभी छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति की रक्षा एवं स्वयं एक अच्छे व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति कैसे बनें इस इस विषय पर अपने उद्बोधन दिए साथ ही सभी को मंगल आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक मनीष विद्याधी एवं डॉ. अशोक जैन ने किया आभार अध्यक्ष प्रकाश अदावन, कोषाध्यक्ष एड. देव साधेलिया ने माना।

जिला शहर कांग्रेस ने विभिन्न वर्डों में किया जनसंपर्क



सागर, देशबन्धु। जिला कांग्रेस कमेटी शहर के तत्वाधान में कांग्रेस सागर विधानसभा प्रत्याशी निधि जैन के समर्थन में व्यापक जन संपर्क अभियान निरंतर जारी है। जिला शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार पचौरी के निर्देशानुसार लक्ष्मीपुरा वार्ड एवं सुवेदार वार्ड में अभियान चलाया गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना चौबे, उपाध्यक्ष प्रदीप पप्पु गुप्ता एवं जिला शहर कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. दिनेश पटेरिया के मार्गदर्शन में ब्लॉक अध्यक्ष योगराज कोरी, समीर खान, प्रेमनारायण विश्वकर्मा, सेवादल शहर अध्यक्ष सिंदू कटार, महेश जाटव की विशेष उपस्थिति में नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दोनों वार्डों की मुख्य सड़कों एवं गलियों में घूमकर भाजपा के कुशासन की जानकारी प्रदान की एवं कांग्रेस के शासन में प्रदान करने वाली योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

भाजपा प्रत्याशी के स्वागत में बनाई रंगोली



सागर, देशबन्धु। सागर विधानसभा चुनाव के निमित्त भारतीय जनता पार्टी का प्रचार-प्रसार एवं जनसंपर्क कार्यक्रम तेजी से चल रहा है। शुक्रवार को जनसंपर्क के लिए भाजपा प्रत्याशी एवं विधायक शैलेंद्र जैन रामपुरा चकराघाट एवं इतवारी वार्ड पहुंचे जिनके स्वागत सत्कार हेतु वार्ड वासियों द्वारा भव्य तैयारिया की गई। इसी दौरान रामपुरा वार्ड में निवासरत जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने निवास के द्वार पर पर मनमोहक रंगोली बनाकर भाजपा के पक्ष में मतदान हेतु अपील की।

संयुक्त जांच दल ने मिष्ठान भंडार एवं खाद्य पदार्थों के विक्रय स्थल से लिए नमूने



सागर, देशबन्धु। संधागायुक डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत के निर्देश पर कलेक्टर दीपक आर्य द्वारा दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत एक संयुक्त जांच दल का गठन किया है जिसमें खाद्य सुरक्षा प्रशासन खाद एवं नागरिक आपूर्ति, श्रम विभाग एवं नागरिक आपूर्ति, नापतोल विभाग के अधिकारियों को सम्मिलित किया गया है एवं दल का नेतृत्व तहसीलदार हरीश लालवानी को सौंपा गया है। दल द्वारा शुक्रवार को मकरोनिया क्षेत्र में जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान नेहा स्वीट सेंटर में दूध हलवा के नाम से दूध पाउडर से बनी हुई मिठाई विक्रय की जा रही थी जिसका नमूना लिया गया एवं बीकानेर स्वीट्स से मधुर पेडा जांच हेतु लिया गया है। बालाजी स्वीट्स और अनिल जाट सेंटर से घरेलू गैस के तीन सिलेंडर जप्त किए गए। जांच के दौरान दोनों ही प्रतिष्ठानों की गुमास्ता लाइसेंस भी नहीं पाए गए। नियम अनुसार कार्रवाई की जा रही है। सभी मिष्ठान विक्रेताओं को मिठाइयों पर निर्माण तिथि एवं बेस्ट बिफोरे तिथि अंकित करने के संबंध में निर्देश दिए गए।

अनुपस्थित मतदाताओं के मतदान दलों का प्रशिक्षण आज

सागर, देशबन्धु। अनुपस्थित मतदाताओं 80 वर्ष आयु वर्ग एवं दिव्यांग श्रेणी के मतदान हेतु गठित मतदान दलों के सेक्टर अधिकारियों, पीओ-पी1, माइक्रो ऑब्जर्वर व वीडियोग्राफर का प्रशिक्षण 4 नवंबर को पद्याकर सभागार में दोपहर 12 बजे से होगा।

ट्रेक्टर पलटने से युवक की मौत

सागर, देशबन्धु। बहरोल थाना क्षेत्र के ग्राम मगरधा में अनियंत्रित होकर ट्रेक्टर पलट गया। दुर्घटना में ट्रेक्टर पर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटनाक्रम की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार फरियादी रामकुमार पिता हिम्मत अहिरवार निवासी ग्राम मगरधा ने शिकायत में बताया कि खेत की बखरनी करवाने के लिए गांव के गोबंदी अहिरवार का ट्रेक्टर लेकर खेत जा रहा था। पुलिस के पास बड़े भाई सरमन अहिरवार मिले और बोले कि तुम घर जाओ। मैं खेत बखरवाने जा रहा हूँ तो बड़े भाई ट्रेक्टर पर बैठ गए और ट्रेक्टर गोबंदी का बेटा राजू अहिरवार चला रहा था। खेत जाते समय ट्रेक्टर अनियंत्रित होकर झिरियन के पास नरैया नाले में पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। जहां देखा ट्रेक्टर पलटा हुआ था और सरमन ट्रेक्टर के नीचे दबा था। ट्रेक्टर की चपेट में आने से सरमन की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया। वहीं मर्ग कायम कर जांच में लिया है। मर्ग जांच करते हुए पुलिस ने मृतक के परिवार वालों के बयान लिए। घटनास्थल पर जांच की। जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रेक्टर क्रमांक एमपी 15 एबी 9618 के चालक राजू अहिरवार निवासी मगरधा के खिलाफ धारा 304 ए के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

लोगों ने प्रशासन से की मांग, पटाखों की दुकाने बाहर लगाई जाये

गौरझामर, देशबन्धु। गौरझामर नगर में दीपावली पर्व को लेकर पिछले कई वर्षों से पटाखों की दुकानें नगर के बीचो बीच में लगाई जाती हैं जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है वही लोगो को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इस बार ग्रामीणों और लोगो में प्रशासन से मांग की है। पटाखा की दुकाने प्रशासन सुरक्षित स्थान का चयन करके नगर से बाहर लगाई जाये जिससे असुविधा न हो लोगो ने बताया नगर में पटाखा दुकाने लगाने से प्रशासन क्या कोई अनहोनी का इंतजार कर रहा है सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार एक लायसेंस पर दो से तीन अलग-अलग जगहों पर दुकाने लगाई जाती है पिछले वर्ष थाना परिसर में गौरझामर मंडल नायब तहसीलदार और थाना प्रभारी की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक में निर्णय लिया गया था कि पटाखा की दुकाने गौरझामर उपमंडी में लगाई जाये लेकिन पटाखा दुकानदारों ने मनमानी से नगर में दुकाने लगाई थी और प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई थी अब देखा दिलचस्प होगा प्रशासन इस पर गौर करता है या नहीं।

इनका कहना है-

सुरक्षा को देखते हुये नगर से पटाखों की दुकाने बाहर लगाई जाएगी और जो भी दुकानदार एक लायसेंस पर एक दुकान से ज्यादा लगाएंगे तो जांच करवा कर कार्यवाही की जाएगी।

-चंद्रभानु दीवान

नायब तहसीलदार गौरझामर राजस्व मंडल

विद्यार्थियों ने सौ प्रतिशत मतदान के लिए मानव आकृति बनाकर किया प्रेरित



परचून से भरे कंटेनर में लगी भयंकर आग एलाखों माल जलकर खाक



मालश्रीन, देशबन्धु। नेशनल हाइवे 44 पर शुक्रवार की अलसुबह दिल्ली से हैदराबाद जा रहे कंटेनर ट्रक में भयंकर आग लगने से माल जलकर खाक हो गया। आग देखकर ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर दूर भाग खड़ा हुआ। मौके पर पुलिस और फायर ब्रिगेड पहुंची जिससे आग पर काबू किया गया। जब तक परचून जलकर खाक हो गया। जानकारी के अनुसार सागर के थाना बांदरी क्षेत्र के रजवानस के पास सुबह 5 बजे करीबन चलते ट्रक क्रमांक आरजे 06 जी बी 4439 में अचानक शार्ट सर्किट में भयंकर आग लग गई जिसमें परचून से भरा हुआ था। उसके अंदर से बड़ी आग की लपटें निकल रही थी मौके पर आसपास के लोग जमा हो गए। सूचना पर आसपास के निकाय की दमकल गाड़ियां पहुंची जिससे आग पर काबू पाया गया। बताया गया कि दिल्ली से हैदराबाद परचून लेकर जा रहा था रास्ते ट्रक में हुए सर्किट सर्किट से जलकर लाखों का माल जलकर नष्ट हो गया।

न्याय नीति पूर्वक व्यापार द्वारा अर्जित धन से जीवन में धर्म, सुख शांति आती है: मुनिश्री

सागर, देशबन्धु। गृहस्थ को धंधा करने की अनुमति है, परंतु अंधा और अंधाधुंध धंधा करने की अनुमति नहीं, जैसा तेसा कैसा भी हो पर पैसा हो, इस मानसिकता पर रोक लगनी चाहिए यह बात मुनिश्री सुदत्तसागर ने अंकुर कॉलोनी स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में धर्म सभा को प्रवचन के दौरान कहीं। मुनिश्री ने कहा अस्त्र शस्त्र का निर्माण उपयोग,



बारूद पटाखे, जुआ सट्टा, मुर्गी मछली पालन, कीटनाशक, शराब चमड़ा आदि का व्यापार अति निंदनीय माने गए हैं इन हिंसक व्यापार से हटकर जो न्याय नीति पूर्वक व्यापार करता है। वही धन मनुष्य को धार्मिक बनाता है और जीवन में सुख शांति में कारण बनता है। अपने मनोरंजन के लिए पटाखे चलाकर जीवों की हिंसा, पर्यावरण दूषित करना कहां की समझदारी है। अहिंसामय, पटाखा मुक्त दीपावली

मनाओ। क्षुद्रक श्री चंद्र दत्त सागर जी महाराज ने कहा दिवाली पर रंगोली वंदनवार स्वयं बनाओ, शुभ लाभ लिखते हो, स्वास्तिक बनाते हो, तो अशुभ क्यों करते हो। पटाखे जलाना, अशुद्ध मिठाई आदि पदार्थ मत खाओ। घर में शुद्ध लड्डू बनाओ, शुद्ध चढ़ाओ, शुद्ध खाओ। घर के भीतर रखे फालतू परिग्रह पदार्थों को बाहर निकालो, कबाड़ मत रखो, शुभ ऊर्जा का संचार होगा तो घर में सुख शांति जरूर आएगी।

सड़कों पर चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

मालश्रीन, देशबन्धु। नगर में विशेष स्वच्छता अभियान के तहत नगर से निकली सड़क के दोनो किनारों पर विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है। सीएमओ संजय समुंदरे के निर्देशन खिमल्लासा रोड़ स्थित दोनो किनारे से विशेष सफाई कराई गई। एसडक किनारे कटीली झाड़ी और कचड़ा को सफाई कर्मियों द्वारा हटाया गया।



मतदाता साक्षरता वलब का गठन कर कहा हर मोहल्ला गली में करें मतदान के लिए जागरूक

राहतगढ़, देशबन्धु।

शासकीय महाविद्यालय में स्वीप पार्टनर के तहत मतदाता जागरूकता संबंधी प्रचार प्रसार गतिविधियों के अंतर्गत एलईसीएस क्लब का गठन किया गया। जिसमें नोडल अधिकारी, कैपस एंबेसडर छात्र-छात्रा एवं मेंटर को नामांकित किया गया। जिसमें मनोनीत नोडल अधिकारी आशीष रेकरवार ने संपूर्ण योजना कार्य की रूपरेखा बताई गई एवं संकाय बार 50-50 विद्यार्थियों को मनोनीत किया गया। जिसमें कैपस एंबेसडर मेंटर सहित सभी पदाधिकारियों की बैठक में एप डाउनलोड करवाया गया व कक्षा परिचर्चा की गई। चुनावी पाठशाला प्रभारी संदीप जैन ने आगामी विधानसभा चुनाव में 17 नवंबर को अनिवार्य रूप से मत देने एवं अपने मोहल्ले, गांव तक जागरूकता अभियान करके उन्हें अनिवार्य मतदान के लिए जागरूक करने के लिए कहा। मतदाता जागरूकता मंच प्रभारी डॉ. ऋतु व्यास ने सभी एम्बेसडर, सदस्यों को अपने-अपने गांव में विविध जागरूक कार्यक्रम करने एवं विभिन्न लोगों को बिना प्रलोभन के सही व अनिवार्य मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. चंदन सिंह सागर, डॉ. अपर्णा दुबे, डॉ. निधि नगाइच, डॉ. प्रदीप यादव, डॉ. श्रीकांत रिंणे, डॉ. नेहा सक्सेना, डॉ. भरत पटेल अनिता मालवीय, डॉ. रश्मि जैन, दीपशिखा नेमा, अंजूलता गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।



संधागायुक ने देवरी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों एवं चेक पोस्टों का किया निरीक्षण

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत संधागायुक डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने शुक्रवार को देवरी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। डॉ. रावत स्वीप योजना के माध्यम से चलायें जा रहे जन जागरूकता अभियान में भी शामिल हुए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीसी शर्मा, एसडीएम गगन बिसने, जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. मनीषा चतुर्वेदी, जनपद पंचायत केसली की मुख्य कार्यपालन अधिकारी पूजा जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। संधागायुक डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने देवरी विधानसभा क्षेत्र के कन्या हाई स्कूल एवं सीएम राइज स्कूल के मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय के बच्चों को मतदाता जागरूकता हेतु रैली में सम्मिलित होकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे अपने-अपने माता-पिता, परिजन एवं रिश्तेदारों को मतदान करने के उल्कृष्ट विद्यालय में आयोजित मतदान जागरूकता कार्यक्रम में भी शामिल हूँ।



के लिए अवश्य कहे। संधागायुक डॉ. रावत ने जनपद पंचायत देवरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यालय समय अनुसार खुले एवं साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत के कार्यालय की मुख्य द्वार पर मतदान करने के लिए आवश्यक जानकारी फलेक्स के माध्यम से प्रदर्शित की जावे। जनपद पंचायत में सेल्फी पॉइंट पर अपनी सेल्फी लेकर जन जागरूकता का संदेश भी दिया। इसके बाद एसएसटी पॉइंट, तीतरपानी टोल नाका का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए की टोल नाकों पर सभी वाहनों की जांच की जावे। संधागायुक डॉ. रावत केसली के उल्कृष्ट विद्यालय में आयोजित मतदान जागरूकता कार्यक्रम में भी शामिल हूँ।